INS ACCREDITED
यूंनिकॉम एडवरटाइजिंग
unicomadvertising.com

प्रेरणास्रोत पूज्यनीय राजनलाल गौतम जी

यूनिक समय

डीएवीपी द्वारा मान्यता प्राप्त
डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026—28

Sweety BY MR GROUP Presents
Unique Samay Update
uniquesamay.com

वर्ष-4 | अंक-120 | सांध्य दैनिक | मथुरा, शुक्रवार, 26 जून 2026 | पेज-12 | 5 रुपया | www.facebook.com/uniquesamay | X.com/Theuniquesamay | www.linkedin.com/in/uniquesamay

प्रशासन के निशाने पर शहर के पांच दर्जन अवैध भवन

मानक विहीन भवनों मे संचालित हैं अस्पताल होटल और कोचिंग

करीब तीन दर्जन पर कार्रवाई, अन्य पर प्रशासन की हुई तिरछी नजर

यूनिक समय, मथुरा। मथुरा–वृंदावन क्षेत्र में बिना स्वीकृत मानचित्र, निर्माण मानकों की अनदेखी और नियमों के उल्लंघन कर बनाए गए भवनों के खिलाफ प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है। जांच में करीब पांच दर्जन मानक विहीन भवन प्रशासन के निशाने पर आए हैं। ऐसे भवनों में से करीब तीन दर्जपर कार्रवाई हुई है, कुछ को सील किया गया है, जबकि कुछ को नोटिस दिए गए हैं।

अब प्रशासन जल्द ही ऐसे भवनों के खिलाफ कार्रवाई करेगा।

लखनऊ कोचिंग हादसे से पहले दिल्ली हादसे के दौरान सर्तक प्रशासन ने शहर और वृंदावन में अभियान चलाया था, इस दौरान दो दर्जन मानक विहीन भवनों में संचालित होटल, कोचिंग और अन्य गतिविधि संचालित करने वालों को नोटिस भी दिए गए थे, लेकिन कार्रवाई आगे नहीं बढ़ी। इस बीच लखनऊ हादसा होते ही प्रशासन मैदान में आ गया और पूर्व चिन्हित भनवों पर कार्रवाई शुरू हो गई। प्रशासनिक अधिकारियों के अनुसार कई भवन ऐसे मिले हैं, जिनका निर्माण स्वीकृत नक्शे के विपरीत किया गया है। कुछ स्थानों पर निर्धारित ऊंचाई से अधिक निर्माण, पार्किंग व्यवस्था की अनदेखी और सुरक्षा मानकों का पालन नहीं किया गया। वहीं कई व्यावसायिक प्रतिष्ठान आवासीय स्वीकृति वाले भवनों में संचालित होते पाए गए हैं।

नगर निगम और विकास प्राधिकरण की संयुक्त टीम ने विभिन्न क्षेत्रों का निरीक्षण कर ऐसे भवनों की सूची तैयार की है।

भवन स्वामियों से निर्माण संबंधी अभिलेख, स्वीकृत मानचित्र और अन्य आवश्यक दस्तावेज मांगे गए हैं। निर्धारित समय में संतोषजनक जवाब नहीं मिलने पर नियमानुसार सीलिंग, ध्वस्तीकरण अथवा अन्य कानूनी कार्रवाई की जा सकती है।

अधिकारियों का कहना है कि शहर में लगातार बढ़ते अवैध निर्माण न केवल यातायात और शहरी व्यवस्था को प्रभावित कर रहे हैं, बल्कि आपदा की स्थिति में लोगों की सुरक्षा के लिए भी खतरा बन सकते हैं। इसलिए नियमों का पालन सुनिश्चित कराने के लिए अभियान को लगातार चलाया जाएगा।

कार्रवाई किसी व्यक्ति विशेष के खिलाफ नहीं: डीएम

डीएम च्रद्रप्रकाश सिंह ने स्पष्ट किया है कि कार्रवाई किसी व्यक्ति विशेष के खिलाफ नहीं, बल्कि नियमों के उल्लंघन के विरुद्ध की जा रही है। भविष्य में भी अवैध और मानक विहीन निर्माण पर नियमित निगरानी रखी जाएगी, ताकि शहर का सुनियोजित विकास सुनिश्चित किया जा सके। उन्होंने शहरवासियों से भी अपील करते हुए कहा कि भवन निर्माण शुरू करने से पहले संबंधित विभाग से मानचित्र स्वीकृत कराएं और सभी निर्माण मानकों का पालन करें। इससे अनावश्यक कानूनी कार्रवाई से बचा जा सकेगा और सुरक्षित-व्यवस्थित शहरी विकास को बढ़ावा मिलेगा।

परिषदीय स्कूल की गुटबाजी पर बड़ी कार्रवाई

प्रधानाध्यापक और शिक्षिका निलंबित,शिक्षामित्र का मानदेय रोका

यूनिक समय, मथुरा। फरह ब्लॉक के प्राथमिक विद्यालय गढ़ाया लतीफपुर में खींचतान और गुटबाजी आखिरकार शिक्षकों पर ही भारी पड़ गई। जांच में स्कूल का माहौल खराब करने, सरकारी नियमों की अनदेखी और गांव वालों के अनावश्यक हस्तक्षेप की पुष्टि होने पर बीएसए रतन कीर्ति ने प्रधानाध्यापक हरी सिंह और सहायक अध्यापिका पूनम पाराशर को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है, जबकि शिक्षिका के पति और नगला छत्ती प्राथमिक विद्यालय में कार्यरत शिक्षामित्र रामनिवास का मानदेय भी अगले आदेश तक रोक दिया गया है।

इस स्कूल में महीनों से शिक्षकों के दो गुटों में खींचतान चल रही थी। बीएसए कार्यालय को मिली शिकायत के बाद खंड शिक्षा अधिकारी नगर क्षेत्र और छाता ने संयुक्त जांच की। जांच के दौरान छात्रों और विद्यालय के अभिलेखों की जांच की गई। छात्रों ने बताया कि दोनों शिक्षक समय से स्कूल आते हैं, लेकिन जांच में कई गंभीर लापरवाहियां सामने आईं।

रिपोर्ट के अनुसार, प्रधानाध्यापक हरी सिंह कई बार बिना किसी शिक्षक को स्कूल का प्रभार दिए अवकाश पर चले जाते थे, जबकि ऐसा करना नियमों के खिलाफ है। वहीं, सहायक अध्यापिका पूनम पाराशर ने डोर–टू–डोर सर्वे का काम तो किया, लेकिन उसका रोजाना रिकॉर्ड विद्यालय की पत्र व्यवहार पंजिका में दर्ज नहीं किया। जांच में यह भी सामने आया कि दोनों शिक्षकों के बीच लंबे समय से विवाद चल रहा था। इसका असर स्कूल के पढ़ाई के माहौल पर पड़ रहा था। गांव के लोगों को भी स्कूल के मामलों में दखल देने का मौका मिला। जांच अधिकारियों ने यह भी पाया कि पूनम पाराशर के पति रामनिवास, जो दूसरे विद्यालय में शिक्षामित्र हैं, वे भी बिना अधिकार के इस स्कूल के कामकाज में हस्तक्षेप करते थे। वहीं, प्रधानाध्यापक पर विद्यालय के स्टाफ के साथ भेदभावपूर्ण व्यवहार करने का आरोप भी सही पाया गया। बीएसए ने दोनों शिक्षकों का आचरण सेवा नियमों के खिलाफ मानते हुए उन्हें तत्काल निलंबित कर दिया। निलंबन अवधि में हरी सिंह को छाता देहात और पूनम पाराशर को उच्च प्राथमिक विद्यालय मुजाहिद, बल्देव से संबद्ध किया गया है। जांच के लिए राया और बल्देव के खंड शिक्षा अधिकारियों की दो सदस्यीय समिति बनाई गई है। समिति एक माह के भीतर आरोप पत्र जारी कर अपनी रिपोर्ट बीएसए को सौंपेगी। इसी रिपोर्ट के आधार पर आगे की अंतिम कार्रवाई की जाएगी।

जांच में लापरवाही आपसी विवाद और गांव वालों के दखल की पुष्टि

ट्रेन से उतरने के दौरान सुरक्षागार्ड की गिरकर हुई मौत

यूनिक समय, मथुरा। मथुरा जंक्शन पर ट्रेन से गिरकर एक निजी सुरक्षा गार्ड की मौत हो गई। भूतेश्वर रेलवे स्टेशन के समीप ट्रेन के कट कर एक वृद्धा की मौत हो गई।

मथुरा जंक्शन रेलवे स्टेशन के प्लेट फॉर्म संख्या एक पर आज रानी लक्ष्मी बाई नगर एक्सप्रेस से उतरने के दौरान एक यात्री गिर कर गंभीर घायल हो गया। घायल को आरपीएफ के जवानों ने जिला अस्पताल में भर्ती कराया था, जहां मौत हो गई। आरपीएफ के वरिष्ठ उप निरीक्षक ललित भाटी जिला अस्पताल पहुंचे। यात्री के पास से मिली जानकारी के आधार पर मृतक मनोज कुमार (45) निवासी श्रीधाम कॉलोनी औरंगाबाद थाना सदर बाजार के रुप में हुई। उप निरीक्षक ने बताया कि मनोज दिल्ली की एक निजी कंपनी में सुरक्षा गार्ड था। ट्रेन से उतरने के दौरान उसका पैर फिसल गया और ट्रेन से कट गया। मनोज के परिवार के लोग भी आ गए। पुलिस ने शव का पंचनामा करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

कृष्णा नगर की वृद्ध महिला की ट्रेन से कट कर हुई मृत्यु

दूसरी घटना भूतेश्वर रेलवे स्टेशन के समीप गुरूवार की देर रात ट्रेन की चपेट में आकर एक वृद्धा की मौत हो गई। मृत की शिनाख्त वृद्धा शांति देवी (80) पत्नी स्व. जगदीश प्रसाद निवासी कृष्णा नगर के रूप में हुई। मौके पर पहुंची जीआरपी से परिवार के लोगों ने अनुरोध किया तो पुलिस ने महिला के शव को बिना पोस्टमार्टम कराए हुए अंतिम संस्कार के लिए परिवार को सौंप दिया।

विदेश से एमबीबीएस आसान, डॉक्टर बनना कठिन

कम फीस का सपना पड़ सकता महंगा

यूनिक समय, नई दिल्ली। देश में सरकारी मेडिकल कॉलेजों की सीमित सीटों और निजी कॉलेजों की ऊंची फीस की वजह से हर साल हजारों छात्र विदेश का रुख कर रहे हैं। रूस, जॉर्जिया, उज्बेकिस्तान, किर्गिस्तान और कजाकिस्तान भारतीय छात्रों के लिए सबसे पसंदीदा ठिकाने बन चुके हैं। यहां पूरे एमबीबीएस कोर्स का खर्च कई निजी भारतीय मेडिकल कॉलेजों की एक साल की फीस से भी कम पड़ता है, लेकिन सस्ती पढ़ाई का यह सपना भारत लौटने पर बड़ी परीक्षा में बदल जाता है।

विदेश से एमबीबीएस करने वाले छात्रों को भारत में डॉक्टर के रूप में प्रैक्टिस करने के लिए एफएमजीई (फॉरेन मेडिकल ग्रेजुएट एग्जाम) अथवा भविष्य में लागू होने वाली नेक्स्ट परीक्षा पास करनी होती है। पिछले चार सत्रों के आंकड़े बताते हैं कि इस परीक्षा में औसतन केवल 18 से 29 प्रतिशत छात्र ही सफल हो पाए हैं। यानी हर पांच में से लगभग एक छात्र ही लाइसेंस हासिल कर पाता है।

लाइसेंस परीक्षा में हर पांचवां छात्र सफल

विशेषज्ञों का कहना है कि विदेश में दाखिला लेने से पहले केवल कम फीस देखकर फैसला नहीं करना चाहिए।

जिस विश्वविद्यालय में प्रवेश लिया जा रहा है, उसका एफएमजीई परिणाम, फैकल्टी, अस्पताल में मरीजों की संख्या और राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग (एनएमसी) के नियमों का पालन जांचना चाहिए।

नियमों के अनुसार, विदेश में कम से कम साढ़े चार वर्ष की पढ़ाई, उसी संस्थान से एक वर्ष की इंटर्नशिप और पूरा पाठ्यक्रम अंग्रेजी माध्यम में होना अनिवार्य है। साथ ही जिस वर्ष छात्र विदेश में प्रवेश ले, उसी वर्ष नीट–यूजी उत्तीर्ण होना भी जरूरी है।

शिक्षा विशेषज्ञ सलाह देते हैं कि छात्र पहले वर्ष से ही भारतीय मेडिकल पुस्तकों के साथ एफएमजीई की तैयारी शुरू करें। सही विश्वविद्यालय का चयन और समय रहते परीक्षा की तैयारी ही विदेश से एमबीबीएस के सपने को भारत में सफल डॉक्टर बनने की मंजिल तक पहुंचा सकती है।

तपिश और उमस से बेहाल रहे लोग

सड़कों से निकली भभक, माथे से टपका पसीना

तापमान में भी आया उछाल, लोग हो गए परेशान

उमस और गर्मी से हर कोई परेशान रहा। ऐसे में गर्मी से बचने के लिए युवक और महिलाएं कपड़े से मुंह ढके दिखीं।

यूनिक समय, मथुरा। जून माह समाप्त होने को है, लेकिन तापमान नीचे जाने के बजाय ऊपर की ओर छलांग भर रहा है। ऐसे मौसम से गर्मी और उमस का पैदा मिश्रण लोगों को सता रहा है। शुक्रवार को सुबह से शाम तक उमस और गर्मी से लोग परेशान रहे। सड़कों से निकली भभक भी लोगों का पसीना निकालती रही। मौसम विभाग ने पांच दिन तक आसमान साफ रहने का पूर्वानुमान जताया है। अधिकतम तापमान 40.5 डिग्री और न्यूनतम तापमान 30 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। सुबह बादल छाए देख लोगों को बारिश होने और गर्मी से राहत मिलने की उम्मीद थी। जैसे–जैसे दिन चढ़ा, बादल छंट गए और धूप की तपिश बढ़ने लगी। दोपहर तक भीषण गर्मी और उमस से लोग पसीने में तरबतर नजर आए। बाजारों, सड़कों और सार्वजनिक स्थानों पर निकलने वाले लोगों को सबसे ज्यादा परेशानी हुई। तानमान भी बीते दिनों के मुकाबले और अधिक नजर आया। ऐसे मौसम के बीच मौसम का पूर्वानुमान भी परेशानी वाला रहा। मौसम विज्ञानी नरेंद्र कुमार के अनुसार, आगामी दिनों में मौसम साफ रहने से उमस और गर्मी का असर बरकरार बना रहेगा।

लोग हो रहे बीमार, अस्पतालों में भीड़

गर्मी के कारण लोग तेजी से बीमार पड़ रहे हैं। इन दिनों जिला अस्पताल में मरीजों की संख्या बढ़ी है। ज्यादातर लोग पेट दर्द और उल्टी–दस्त से पीड़ित हो रहे है। पेट खराबी की भी लोगों को परेशानी दे रही है। चिकित्सक डॉ. गौरव अग्रवाल ने बताया कि मौसम के कारण मरीजों की संख्या बढ़ी है।

ढकेलों पर लग रहे सिलेंडरों से खतरा

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, वृंदावन। मंदिरों की नगरी में चारों ओर आग के शोलों का डर। यकीन नहीं है तो यहां आकर देख लीजिए। ढकेलों पर खाना, चाट पकौड़ी आदि सामान बेचने वाले सिलेंडरों का धड़ल्ले से प्रयोग करते दिखाई देते हैं, लेकिन उनके पास यकायक लगने वाली आग को काबू पाने के लिए कोई उपकरण नहीं होते हैं। मंदिरों के आसपास और प्रमुख रास्तों के भीड़ भाड़ वाले इलाकों में सिलेंडर के साथ ढकेलें दिखाई देती हैं। यदि सिलेंडर से गैस रिसने के दौरान आग लगने की घटना हो जाए तो किस तरह भगदड़ मचेगी, इसकी कल्पना नहीं की जा सकती है। गौर करने वाली बात तो यह है कि इन ढकेल वालों पर सिलेंडर कालाबाजारी में आते हैं। किसी भी तरह का हादसा होने पर यह पता नहीं चलेगा कि सिलेंडर किस एजेंसी से आया था। उस वक्त सभी पल्ला झाड़ते नजर आएंगे। प्रश्न यह उठता है कि आखिरकार इन ढकेल वालों को कौन सिलेंडर उपलब्ध करा रहा है, वैसे अब तक यह खबर मिल रही थी कि सिलेंडरों की कमी चल रही है। 25 दिन बाद बुक कराने के एक सप्ताह बाद डिलेवरी मिलेगी, पर एक ढकेल वालों को रोजाना सिलेंडर कहां से मिल रहे हैं। एक ढकेल वाले ने अपना नाम न छापने की शर्त पर बताया कि दो हजार रुपये एक सिलेंडर खरीद रहे हैं। इस कालाबाजारी के कारण उसने अपने सामान की कीमतों में वृद्धि कर दी है। पहले आलू की टिकिया तीस रुपये में बिकती थी। अब पचास रुपये में बिक्री की जा रही थी। पानी की टिकिया 10 रुपये में तीन बिक्री हो रही हैं। कहीं–कहीं दस रुपये में दो ही मिल रही है। इसी तरह से ढकेल वालों पराठे समेत दाल–रोटी की कीमत बढ़ा दी है। जिला पूर्ति अधिकारी से संपर्क न होने के कारण उनका पक्ष नहीं दिया जा रहा है ।

कभी आग लगने पर क्या हालात होगी

पूर्ति विभाग नहीं करता टोका– टोकी

हृदय रोग प्रबंधन विषयक राष्ट्रीय चिकित्सा प्रश्नोत्तरी में डॉ. सिद्धार्थ को मिला प्रमाणपत्र

यूनिक समय, मथुरा। जिला चिकित्सालय मथुरा के चिकित्सक डॉ. सिद्धार्थ धनगर ने हृदय रोग प्रबंधन विषयक राष्ट्रीय ऑनलाइन चिकित्सा प्रश्नोत्तरी में सफल सहभागिता कर प्रमाणपत्र प्राप्त किया है। यह शैक्षणिक कार्यक्रम मेडफ्लिक्स और एल्केम प्रयोगशालाओं द्वारा आयोजित किया गया।

कार्यक्रम के माध्यम से चिकित्सकों को हृदय विफलता से जुड़े नवीनतम वैज्ञानिक शोध, आधुनिक उपचार पद्धतियों और साक्ष्य–आधारित चिकित्सा के बारे में जानकारी दी। डॉ. धनगर की इस उपलब्धि पर जिला चिकित्सालय के चिकित्सकों, सहयोगियों ने बधाई दी।

भक्ति का ऐसा जुनून

दादी की स्मृति में हाथों के बल लगाई परिक्रमा

आठ वर्षों के अभ्यास से किया अद्भुत कारनामा

परिक्रमा करते देख किशोर आराध्य की भक्ति को सभी ने किया नमन

हाथों पर चलकर राधारानी की सात किलो मीटर लंबी परिक्रमा लगाता आराध्य।

यूनिक समय, बरसाना। यूं तो भगवान के भक्त अपने आराध्य को प्रसन्न करने के लिए विभिन्न प्रकार के तरीके अपनाते हैं, लेकिन कुछ भक्त ऐसे होते हैं जिनकी भक्ति से भगवान तो प्रसन्न होते ही हैं और समाज में भी लोगों के बीच उनकी चर्चा होती है। ऐसा ही बाल्य भक्त बरसाना धाम में हाथों के बल चलकर परिक्रमा करता नजर आया।

आगरा के रहने वाले कमलेश गुप्ता और सीमा गुप्ता के जुड़वा बेटे और बेटी राधा रानी की परिक्रमा करने के लिए बरसाना के राधारानी मंदिर पहुंचे। कमलेश गुप्ता का बेटा आराध्य (13) हाथों के बल सीधा खड़ा चलकर सात किलोमीटर लंबी राधा रानी की परिक्रमा को बरसाना धाम से पूर्ण भक्ति भाव करता नजर आया। बालक को ऐसा करते देख परिक्रमा कर रहे तमाम भक्त और श्रद्धालु भी बालक के हौंसले को देख दांतों तले उंगलियां दबाने को मजबूर हो रहे हैं। साथ ही देखने वाले बच्चे की अनूठी भक्ति की सराहना और प्रशंसा कर रहे थे। बात करने पर आराध्य ने बताया कि वह बचपन से ही धार्मिक प्रवृत्ति के रहे हैं। यह अनूठी परिक्रमा अपनी स्व. दादी को समर्पित करने के लिए लगा रहे हैं। उन्होंने बताया कि वह आठ वर्ष की उम्र से इस तरह का लगातार अभ्यास कर रहे हैं और उनकी माताजी हमेशा इस कार्य में उनका हौसला बढ़ाती रही है। बालक का कहना है कि इस अनूठे आश्चर्यचकित करने वाले कारनामे के लिए उन्होंने इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स और लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड्स, एशिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में भी अपना नाम दर्ज करने के लिए प्रार्थना पत्र दिया हुआ है। रिकॉर्ड बुक में नाम दर्ज होगा या नहीं है तो भविष्य के गर्त में है, लेकिन बालक की अंनूठी भक्ति जरूर चर्चा का विषय बनी है।

गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को नई दिशा दे रहीं एआरपी

प्राथमिक विद्यालय अरतौनी में रेडीनेस मेला लगाते हुए एआरपी और स्कूल स्टाफ

यूनिक समय, बलदेव। भारत सरकार के निपुण भारत मिशन के द्वारा हर बच्चा पढ़ने, लिखने और गणित की बुनियादी जानकारी में दक्ष बने। इस लक्ष्य को पूरा करने में एकेडमिक रिसोर्स पर्सन महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

विकास खंड बलदेव के प्राथमिक विद्यालय अरतौनी में एआरपी गीता रावत ने विद्यालय का सपोर्टिव सुपरविजन किया। उन्होंने कक्षाओं का निरीक्षण किया, शिक्षकों से चर्चा की और बच्चों को बेहतर शिक्षा देने के लिए आवश्यक सुझाव दिए। स्कूल रेडीनेस मेले का भी आयोजन किया गया। मेले में बच्चों ने अलग–अलग शैक्षिक और रचनात्मक गतिविधियों से जुड़े स्टॉल लगाए। विद्यार्थियों ने अपनी कला, प्रतिभा और सीखने की उपलब्धियों का सुंदर प्रदर्शन किया, जिसे सभी ने खूब सराहा। गीता रावत ने कहा कि ऐसे कार्यक्रमों से बच्चों का आत्मविश्वास बढ़ता है, सीखने में रुचि पैदा होती है और निपुण भारत मिशन के लक्ष्य को हासिल करने में मदद मिलती है।

133 केवीए का केबिल बक्सा खराब, गर्मी में लोग परेशान

गुरुवार रात से शुक्रवार दोपहर तक बिजली की आंख- मिचौली

पानी को तरसे कस्बा वासी, उमस से भी होती रही परेशानी

यूनिक समय, फरह। 133 केवीए बिजली स्टेशन का केबिल बक्सा खराब होने से कस्बा में बिद्युत आपूर्ति प्रभावित रही। गुरुवार रात से शुरू हुआ बिजली का संकट शुक्रवार दोपहर तक बना रहा, इससे लोगों को काफी परेशानी हुई। पीने को पानी नहीं मिला, जबकि दैनिक दिनचर्या भी प्रभावित हुई। उमस के बीच बिजली की आंख मिचौली से नागरिक परेशान होते रहे। दोपहर को केबिल बक्सा सही होने के बाद आपूर्ति सुचारू हो सकी।

कस्बा स्थित बिजली उप केंद्र को करीब तीन किमी. दूर गांव भीमनगर के पास स्थापित 133 केवीए बिजली केंद्र से सप्लाई मिलती है। गुरुवार रात करीब 11:30 बजे अचानक सप्लाई बंद हो गई। बिजली सप्लाई ठप होने के आधे घंटे बाद इंटरनेट मीडिया पर इसे लेकर खुसर- फुसर होने लगी। लोगों ने जानकारी की तो पता चला कि बिजली सप्लाई करने वाले 133 केवीए स्टेशन के केबिल बक्सा खराब हो गया है। इसके बाद करीब रात एक बजे सप्लाई आई, करीब 10 मिनट बाद फिर बंद हो गई। इसके बाद 1:30 बजे कस्बा को सप्लाई मिली, लेकिन चार बजे गायब हो गई। सप्लाई ठप होने और उमस होने से लोग परेशपन हो गए।

सुबह लोगों को सरकारी पीने का पानी भी नहीं मिला। उमस और गर्मी ने लोगों को परेशान कर दिया। कृत्रिम ठंडक के संशाधन एसी- कूलर ठप होने से लोग ऐसे मौसम से बिलबिला कर रह गए। स्थानीय निवासियों ने बताया कि सुबह आठ बजे सप्लाई मिली, लेकिन यह भी स्थिर नहीं रही, कुछ देर बाद गायब हो गई। दोपहर एक बजे तक कई बार बिजली आती- जाती रही। लोगों का कहना है कि बिजली की इस आंख मिचौली की वजह से नींद पूरी नहीं हो सकी। पीने को पानी भी नहीं मिला, दैनिक दिनचर्या प्रभावित रही।

उप खंड अधिकारी देवेंद्र सिंह ने बताया कि 133 केवीए बिजली स्टेशन का बक्सा खराब होने से कस्बा और इससे जुड़े गांवों में बिजली सप्लाई प्रभावित रही है। कस्बा स्थित बिजली घर भी अंधकार में रहा है। खराबी सही कराने के बाद सप्लाई सुचारू करवा दी गई है।

बालू से भरी ट्रैक्टर ट्राली में घुसा ट्रक, चालक की मौत

यूनिक समय, मथुरा। थाना रिफाइनरी क्षेत्र स्थित राष्ट्रीय राजमार्ग पर कांशीराम कालोनी के फ्लाईओवर पर बालू से भरे ट्रैक्टर में पीछे से ट्रक ने टक्कर मार दी। दुर्घटना में घायल ट्रक चालक को अस्पताल में भर्ती कराया गया,जहां उसकी उपचार के दौरान मौत हो गई।

बताया गया कि पुलिस को किसी राहगीर ने सूचना दी कि दिल्ली आगरा रोड पर काशीराम फ्लाईओवर के समीप आज प्रातः बालू से भरे ट्रैक्टर ट्राली में पीछे से ट्रक ने टक्कर मार दी। दुर्घटना में ट्रक चालक बंटी निवासी दिगाड थाना फतेहाबाद हरियाणा घायल हो गया। मौके पर पहुंचे उप निरीक्षक प्रेमपाल सिंह ने घायल चालक को इलाज के लिए एम्बुलेंस से जिला अस्पताल भेज दिया। जिला अस्पताल में इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस ने चालक के शव का पंचनामा करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

चार दिन चलेगा क्लीन ग्रीन गिरिराज अभियान

पौधा रोपकर प्रशांत महाराज ने किया शुभारंभ

रौपे गए 265 छायादार और फलदार पौधे

यूनिक समय, गोवर्धन। क्लीन गिरिराज तलहटी, ग्रीन गिरिराज तलहटी अभियान के तहत बड़ी परिक्रमा गोविंद कुंड आन्यौर में वन विभाग की भूमि पर नमो वृक्षेभ्यः पौधारोपण महोत्सव में गीत संगीत सागर ट्रस्ट मुंबई द्वारा पौधारोपण किया गया। लोकेश गर्ग ने गिरिराज तरहटी में पौधारोपण कर चार दिवसीय महोत्सव का शुभारंभ किया। 265 फलदार पौधों का रोपण किया गया।

नमो वृक्षेभ्यः वृक्षारोपण महोत्सव गोस्वामी प्रशांत कुमार बृहन्मंदिर मुंबई की प्रेरणा - मार्गदर्शन में आयोजित हुआ। मुंबई, मथुरा, के दर्जनों महिला पुरुषों और अमेरिका से विजयभाई शाह का परिवार, दुबई से तीन परिवारों ने विशेष रूप से गिरीराज की की तलहटी में आयोजित कार्यक्रम में सहभागिता निभाई। प्रथम दिन गिरिराज तलटी में भक्तों ने नीम, पीपल, वट, कदम्ब, चम्पा, गुलमोहर, अमलतास, जामुन, आम सहित 265 पौधे लगाए गए।

उधार सामान देने से इंकार करने पर दुकानदार पर किया हमला

दुकानदार का सिर फोड़ा, की तोड़ फोड़

चार के खिलाफ दर्ज कराई गई रिपोर्ट

यूनिक समय, सुरीर। सुरीर कोतवाली के गांव भदनवारा में दुकानदार को उधार सामान देने से इंकार करना भारी पड़ गया। सामान न देने पर उसके साथ चार लोगों ने जमकर मारपीट की और दुकान में तोड़ फोड़ की। मारपीट में दुकानदार का सिर फट गया। गांव भदनवारा निवासी सचिन ने पुलिस में दी तहरीर में कहा है कि वह 21 जून की रात को अपनी दुकान में दुकानदारी कर रहा था। इसी दौरान करीब 9 बजे गांव का युवक संदीप शराब के नशे में आया और उधार सामान मांगने लगा। उधार सामान ने देने पर वहां से गुस्से होकर चला गया। कुछ देर बाद वह हिमांशू,मनीष और राजा ठाकुर को अपने साथ लेकर आया। इन लोगों के पास लाठी डंडे और फरसा था। इन लोगों ने दुकान पर आते ही उसके साथ बुरी तरह मारपीट की और दुकान में रखा सामान भी तोड़–फोड़ दिया। हमलावरों ने उसका सिर फोड़ दिया। सचिन ने मारपीट करने वालों के खिलाफ कोतवाली सुरीर में रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

कार्रवाई के बाद डर के साये में होटल और गेस्ट हाउस मालिक

चैतन्य विहार और रुकमणि विहार कालोनी में बोर्ड हटाए गेट बंद किए

यूनिक समय, वृंदावन। लखनऊ के कोचिंग सेंटर में हुए अग्निकांड के बाद चेतन्य विहार और रुकमणि विहार कालोनी में आवासीय प्लाटों पर बनाए होटल, गेस्ट हाउस और कामर्शियल बिल्डिंग बनाने वालों की नींद उड़ी हुई है। पिछले दिनों सिटी मजिस्ट्रेट और मथुरा–वृंदावन विकास प्राधिकरण के अधिकारियों द्वारा की गई कार्रवाई के बाद अब कई होटल, गेस्ट हाउस मालिकों ने बड़ी फुर्ती से यह साबित करने की कोशिश की है कि उनके गेस्ट हाउस और होटल है ही नहीं। वजह है कि ऐसे मालिकों को यह भय सता रहा है कि कहीं अधिकारियों की टीम उनके यहां भी सील लगाने की कार्वाई न कर दे। जानकारों के अनुसार, दोनों कालोनियों में अधिकांश होटल और गेस्ट हाउस नियमों के विपरीत बनाए गए हैं। कई विभागों की एनओसी तक नहीं है। अब टीम जांच में सब कुछ देखेंगी। उसके बाद ही सील को हटाया जाएगा। जानकारों के अनुसार, यमुना किनारे खादर क्षेत्र में बिना मानचित्र के बड़ी बिल्डिंग खड़ी कर ली गई है।

डॉ.श्यामा प्रसाद मुखर्जी जयंती संस्मरण को लेकर जिला योजना की बैठक संपन्न

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जयंती संस्मरण के कार्यक्रमों के बारे में मंथन करते हुए जिलाध्यक्ष निर्भय पांडेय और पार्टी के पदाधिकारी।

यूनिक समय, मथुरा। भारतीय जनता पार्टी जिला मथुरा की योजना बैठक जिला कार्यालय पर संपन्न हुई। राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के निर्देशानुसार डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जयंती संस्मरण पक्ष के सफल आयोजन के लिए बैठक कर कार्ययोजना बनाई गई। बैठक की अध्यक्षता करते हुए जिलाध्यक्ष निर्भय पांडेय ने निर्णय लिया गया कि डॉ.मुखर्जी के 125 वें जन्मवर्ष के अवसर पर जिले के सभी बूथों पर कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। प्रत्येक बूथ पर बूथ अध्यक्ष के निवास परिसर में डॉ. मुखर्जी के चित्र पर माल्यार्पण-पुष्पांजलि कार्यक्रम आयोजित होगे, जिला कार्यकर्ता सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। इसमें तीन विषयों सामाजिक और राजनीतिक योगदान, केंद्रीय मंत्री के रूप में भूमिका, भारतीय जनसंघ के संस्थापक अध्यक्ष के रूप में योगदान पर भाषण होंगे। 28 जून से छह जुलाई तक बूथ प्रशिक्षण, सरल ऐप के माध्यम से डिजिटल लर्निंग प्रोग्राम, एक पेड़ मां के नाम अभियान भी संस्मरण पक्ष के साथ चलाया जाएगा।

जिला मीडिया प्रभारी श्याम चतुर्वेदी ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जम्मू–कश्मीर से धारा 370 समाप्त कर डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के एक देश में दो विधान, दो निशान नहीं चलेंगे के सपने को साकार किया है। छह जुलाई को जिले के प्रत्येक बूथ पर माल्यार्पण कार्यक्रम आयोजित किए जाएगें।

बैठक में जिला उपाध्यक्ष अनिल चौधरी, जगमोहन पाठक, कमल वार्ष्णेय, वीरचंद्र गुर्जर, मुकेश वार्ष्णेय, मनीषा पाराशर, मुदिता शर्मा, रेखा निषाद, जिला महामंत्री सत्यपाल चौधरी, अमन ठाकुर, आकाश चौधरी, जिला मंत्री , ज्ञानेंद्र चौहान, निर्मला बघेल, अजय जाटव, रनवीर सिंह, भानु प्रताप, ओमप्रकाश सैनी, सुरेश तरकर समेत सभी जिला पदाधिकारी- मंडलों के अध्यक्ष उपस्थित रहे।

INVESTIGATION	OUR RATES	MARKET RATES	INVESTIGATION	OUR RATES	MARKET RATES
MRI BRAIN	2500	4500	CT ANGIOGRAPHY BRAIN	5500	8000
MRI WHOLE SPINE	7000	11000	COLUR DOPPLER	400/500	2000
MRI WHOLE ABDOMEN	5000	8000	ECHO CARDIOGRAPHY	1000	2000
MRI ANY JOINT	3500	4500	ULTRASOUND ABDOMEN	200	800
MRCP	4000	5000	DIGITAL XRAY	100	300
CT WHOLE ABDOMEN	3000	4500	MEMOGRAPHY	1500	3000
CT HEAD	1500	2000	OPG	400	600
CT ANGIOGRAPHY	7000	8000			

विश्व विटिलिगो दिवस पर भी बेखबर रहा स्वास्थ्य विभाग

यूनिक समय, मथुरा। दुनिया भर में गुरुवार को विश्व विटिलिगो (सफेद दाग) दिवस मना, लेकिन मथुरा का स्वास्थ्य विभाग इस दिवस पर पीड़ितों को मल्हम भी नहीं लगा सका। धार्मिक नगरी में यह दिवस स्वास्थ्य विभाग के लिए तो केवल एक सामान्य दिन बनकर रह गया। न कोई जागरूकता अभियान चला, न मरीजों के लिए शिविर लगाया गया और न ही किसी प्रकार का जनसंदेश जारी किया गया। ऐसे में सीएमओ कार्यालय के दावों पर पीड़ित सवालिया निशान लगा रहे हैं।

विश्व विटिलिगो दिवस जैसे महत्वपूर्ण अवसर पर ही स्वास्थ्य विभाग उन लोगों तक नहीं पहुंच सका, तो इन दावों पर सवाल उठा रहे हैं। इस संबंध में स्वास्थ्य विभाग के नामित नोडल अधिकारी बीडी गौतम से उनका पक्ष

जानने के लिए कई बार फोन पर संपर्क करने का प्रयास किया गया, लेकिन उन्होंने कॉल रिसीव नहीं की। इससे यह भी सवाल खड़ा हो गया कि आखिर जिम्मेदार अधिकारी इस दिवस को लेकर कितने गंभीर हैं। जबकि प्रदेश के मुख्यमंत्री लगातार अधिकारियों को जनता के फोन उठाने और उनकी समस्याओं का समय पर समाधान करने के निर्देश देते रहे हैं।

सफेद दाग से पीड़ित रविंद्र

सफेद दाग के मरीज बोले- न जागरूकता, न सहारा

सीएमओ कार्यालय के दावों पर उठे सवाल

पीड़ितों का दर्द- वर्षों से न किसी ने हाल जाना, न सरकारी सुविधा की दी जानकारी

जायसवाल ने बताया कि वह और उनकी पत्नी दोनों इस रोग से जूझ रहे हैं। कई वर्षों से इलाज करा रहे हैं, लेकिन आज तक स्वास्थ्य विभाग का कोई अधिकारी या कर्मचारी उनकी स्थिति जानने नहीं आया। उन्हें यह भी नहीं बताया गया कि सरकार की ओर से इस बीमारी के लिए कौन-कौन सी सुविधाएं, दवाएं या योजनाएं उपलब्ध हैं। रविंद्र का कहना है कि सफेद दाग केवल त्वचा की बीमारी नहीं है, बल्कि इससे पीड़ित लोगों को सामाजिक उपेक्षा और मानसिक तनाव का भी सामना करना पड़ता है। ऐसे में जरूरत है कि स्वास्थ्य विभाग समय-समय पर जागरूकता अभियान चलाए, मरीजों की काउंसलिंग करे और उन्हें सरकारी उपचार -सुविधाओं की जानकारी दे। लेकिन स्वास्थ्य विभाग की ये बहुत ही लापरवाही सामने आ रही है। जब विशेष दिवस पर भी मरीजों तक पहुंचने की कोशिश नहीं की गई, तो आम दिनों में उनकी समस्याओं पर कितना ध्यान दिया जाता होगा।

आपकी आवाज बनेगा हमारा अभियान

जनहित से जुड़े मुद्दों को उजागर करने और आम जनता की समस्याओं को संबंधित विभागों तक पहुंचाने के लिए हम आपके सहयोग की अपेक्षा करते हैं। यदि आपके क्षेत्र में किसी भी विभाग से संबंधित कोई समस्या, अव्यवस्था, लापरवाही, भ्रष्टाचार, गंदगी, टूटी सड़क, जलभराव, बिजली-पानी की समस्या अथवा अन्य कोई जनहित का मामला है, तो उसकी जानकारी हमें भेजें। समस्या से संबंधित स्पष्ट फोटो या वीडियो के साथ संक्षिप्त विवरण उपलब्ध कराएं। आपकी ओर से प्राप्त जानकारी को प्रमुखता से प्रकाशित कर संबंधित अधिकारियों एवं विभागों तक पहुंचाने का प्रयास किया जाएगा, ताकि समस्या के समाधान में मदद मिल सके।

आपकी जागरूकता, समाज के विकास की ताकत है।

-संपादक

टेलीफोन : 0565-3550761 मोबाइल : 8394983366

कांग्रेस अनुसूचित विभाग की 31 सदस्यीय कार्यकारणी घोषित

जिला कांग्रेस कमेटी कार्यालय पर कांग्रेस अनुसूचित जाति विभाग की समीक्षा बैठक में भाग लेते पार्टी नेता।

यूनिक समय, मथुरा। जिला कांग्रेस कमेटी कार्यालय होलीगेट पर कांग्रेस अनुसूचित जाति विभाग की आयोजित बैठक में संगठन की समीक्षा, आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा और गतिविधियों पर चर्चा की गई। 31 सदस्यी कार्यकारिणी की घोषणा भी की गई।

जिलाध्यक्ष कांग्रेस अनुसूचित जाति विभाग अजय कुमार ने बताया कि जिला अनुसूचित जाति विभाग की कार्यकारिणी की प्रक्रिया लंबे समय से चल रही थी।

कार्यकारिणी में जनपद के सभी क्षेत्रों को प्रतिनिधित्व देने का प्रयास किया गया है। प्रदेश अध्यक्ष सांसद तनुज पुनिया द्वारा अनुमोदित कार्यकारिणी में जिलाध्यक्ष के अलावा आठ जिला उपाध्यक्ष बनाए गए हैं। 10 जिला महासचिव और 10 जिला सचिव नियुक्त किए गए हैं। इसके अतिरिक्त 1 जिला प्रवक्ता, एक मीडिया प्रभारी की जिम्मेदारी सौंपी गई है। नई कार्यकारिणी की पहली बैठक शीघ्र बुलाई जाएगी।

बैठक में मुख्य रूप से प्रदीप सरोहा राष्ट्रीय कोऑर्डिनेटर, डूंगर सिंह प्रदेश उपाध्यक्ष प्रभारी आगरा मंडल, किशन चौधरी प्रदेश उपाध्यक्ष, अमीनचंद जाटव प्रदेश सचिव प्रभारी जिला मथुरा, मुकेश धनगर जिला अध्यक्ष कांग्रेस

संगठन की गई समीक्षा, आगामी कार्यक्रमों को लेकर हुई चर्चा

मथुरा, अजय कुमार जिलाध्यक्ष कांग्रेस अनुसूचित जाति विभाग, डा . प्रवीन भास्कर एडवोकेट वरिष्ठ कांग्रेस नेता, गीत दिवाकर प्रदेश सचिव, विनोद आर्य प्रदेश सचिव, भरत लाल पूर्व प्रदेश महासचिव, जितेंद्र सिंह , प्रदीप सागर, कृष्ण मोहन सिंह, विकास भारती, सुरजीत सिंह, जीवनलाल, सोनू कुमार, आकाश कुमार, भूपेंद्र और अन्य कांग्रेस जन उपस्थित रहे।

फार्मासिस्टों की मांगों पर बढ़ी उम्मीद

राज्य मंत्री को मांग पत्र देते हुए अखिल भारतीय फार्मासिस्ट एसोसिएशन के पदाधिकारी।

यूनिक समय, मथुरा। फार्मासिस्टों की लंबे समय से चली आ रही मांगों को लेकर अब सरकार की ओर से पहल शुरू हो गई है। अखिल भारतीय फार्मासिस्ट एसोसिएशन द्वारा दिए गए मांग-पत्र पर संज्ञान लेते हुए प्रदेश के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) नरेंद्र कश्यप ने उप मुख्यमंत्री- चिकित्सा स्वास्थ्य मंत्री को पत्र लिखकर फार्मासिस्टों के हित में जल्द कार्रवाई करने की मांग की है। राज्य मंत्री ने अपने पत्र में कहा है कि एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष शशि भूषण सिंह और प्रदेश अध्यक्ष शिव कुमार द्वारा उठाई गई मांगों पर सहानुभूतिपूर्वक विचार किया जाए और आवश्यक कदम उठाए जाएं। एसोसिएशन ने सरकार से प्रदेश में खाली पड़े फार्मासिस्टों के पदों पर जल्द भर्ती करने, उपकेंद्रों पर नए पद सृजित कर नियुक्तियां करने, सभी मेडिकल स्टोरों और थोक दवा कारोबार में फार्मासिस्ट की मौजूदगी अनिवार्य करने, दवाओं के रखरखाव और वितरण का काम केवल फार्मासिस्टों से कराने, ब्रिज कोर्स के माध्यम से सीएचओ के पदों पर फार्मासिस्टों को अवसर देने तथा ऑनलाइन दवा बिक्री पर रोक लगाने जैसी मांगें रखी हैं। इस मौके पर एसोसिएशन के राष्ट्रीय सचिव डॉ. राजाराम गंगवार, प्रदेश महासचिव विष्णु यादव, नदीम खान, हर्षित अग्रवाल सहित कई पदाधिकारी और सदस्य मौजूद रहे।

रेल परामर्श समिति ने मथुरा-जंक्शन पर उठाई ट्रेनों के ठहराव की मांग

जबलपुर में परामर्श समिति की बैठक करते समिति के सदस्य योगेंद्र चतुर्वेदी और रेलवे के अधिकारी।

यूनिक समय, मथुरा। पश्चिम मध्य रेलवे (डब्ल्यूसीआर) की रेल परामर्श समिति की बैठक 25 जून को जबलपुर में आयोजित हुई। बैठक में समिति सदस्य योगेन्द्र चतुर्वेदी ने मथुरा जंक्शन पर प्रमुख ट्रेनों के ठहराव, यात्रियों की सुविधाओं के विस्तार, सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने और खानपान की वस्तुओं पर ओवरचार्जिंग रोकने जैसे महत्वपूर्ण मुद्दे उठाए।

उन्होंने कहा कि मथुरा भगवान श्रीकृष्ण की जन्मस्थली है, देश-विदेश के श्रद्धालु हजारों की संख्या में रोजाना आते है।

पश्चिम मध्य रेलवे के महाप्रबंधक ने समिति के सदस्यों को रेलवे में चल रहे विकास कार्यों और अब तक हुई प्रगति की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मथुरा- नागदा रेलखंड देश का पहला ऐसा रेलखंड बन गया है, जहां अत्याधुनिक "कवच 4.0" सुरक्षा प्रणाली लागू की गई है।

विटिलिगो वॉरियर्स की व्यथा सुन हर आंख से छलके आंसू

विटिलिगो सपोर्ट इंडिया द्वारा आयोजित कार्यक्रम में सम्मानित किए गए विटिलिगो।

आपबीती सत्र में जांबाज विटिलिगो वॉरियर्स ने बताई समाज की सोच

कवियों और बुद्धिजीवियों ने विटिलिगो सपोर्ट इंडिया के प्रयासों को सराहा

यूनिक समय, मथुरा। विश्व विटिलिगो दिवस पर विटिलिगो सपोर्ट इंडिया द्वारा आयोजित विटिलिगो वॉरियर्स सम्मान और कवि सम्मेलन के आपबीती सत्र में हर आंख नम थी। विटिलिगो सपोर्ट इंडिया के मंच से साथियों ने अपने जीवन के संघर्ष और साहस की सच्ची कहानियां साझा कीं।

कार्यक्रम में विटिलिगो सपोर्ट इंडिया के संस्थापक रविन्द्र जायसवाल ने बताया कि किन परिस्थितियों और अनुभवों ने उन्हें विटिलिगो सपोर्ट इंडिया की स्थापना के लिए प्रेरित किया। कवयित्री वंदना चौधरी ने आपबीती सुनाते हुए बताया कि अपनों से मिलने वाला दर्द कितना गहरा होता है। अपने पति का विशेष उल्लेख करते हुए कहा कि हर कठिन परिस्थिति में उन्होंने उनका हाथ थामे रखा। मथुरा के सुनील चौधरी ने भी अपने संघर्षों को साझा किया।

संचालन कर रहीं पारुल गुप्ता ने अपनी जीवन यात्रा साझा करते हुए बताया कि उन्होंने भी अनेक सामाजिक चुनौतियों और मानसिक संघर्षों का सामना किया, लेकिन आज वे विटिलिगो से जुड़े लोगों का मनोबल बढ़ाने का कार्य कर रही हैं। कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान श्रीगणेश और मां सरस्वती की वंदना से हुआ। कवयित्री वंदना चौधरी ने सुमधुर प्रस्तुति से पूरे वातावरण को भक्तिमय बना दिया। संचालन पारुल गुप्ता ने किया।

कार्यक्रम के अतिथि डॉ. भुवन बंसल (एम.डी., होम्योपैथी, गोल्ड मेडलिस्ट) का स्वागत संस्था के उपाध्यक्ष मोहम्मद ज़ाहिद ने किया। डॉ. भुवन बंसल ने कहा कि वर्तमान समय में विटिलिगो का पूर्ण उपचार अभी उपलब्ध नहीं है, लेकिन सही समय पर काउंसलिंग, मानसिक सहयोग और उचित चिकित्सा मार्गदर्शन के माध्यम से रोगी का आत्मविश्वास बनाए रखा जा सकता है, रोग के प्रभाव को काफी हद तक नियंत्रित किया जा सकता है।

कविता पाठ शुभारंभ से पूर्व विटिलिगो वॉरियर्स रविन्द्र जायसवाल, प्रीति गुप्ता, हरदोई से पारुल गुप्ता, दिल्ली से कवयित्री वंदना चौधरी, शंकर लाल पंजवानी, मथुरा से वरुण भारद्वाज और सुनील चौधरी, आगरा से डॉ. सलीम अहमद प्रमुख रूप से शामिल रहे। कवि सम्मेलन का गरिमामय संचालन आगरा के कवि डॉ. सलीम अहमद एटवी ने किया।

वंदना चौधरी, मथुरा से डॉ. उदयवीर सिंह , आगरा से पधारे कवि संजय कुमार, राजेश शर्मा ने अपनी प्रभावशाली ग़ज़लों, शायरियों और कविताओं की शानदार प्रस्तुतियों से उपस्थित श्रोताओं का मन मोहा, विटिलिगो वॉरियर्स का हौसला बढ़ाया।

हंसता आईना

तापमान / मौसम

39 डिग्री सेल्सियस अधिकतम

27 डिग्री सेल्सियस न्यूनतम

सोना-चांदी भाव

सोना

24 कैरेट 1,41,750

22 कैरेट 1,29,937

(रेट प्रति 10 ग्राम में, जीएसटी समेत)

चांदी

2,34,900 प्रति किलो

यूनिक समय

स्वामी पवन गौतम के लिए, राजकुमार गौतम द्वारा दैनिक यूनिक समय, 6 शंकर विहार, कृष्णा नगर मथुरा 281004 से प्रकाशित एवं बालाजी ऑफसेट प्रिंटिंग प्रेस कृष्णा नगर, मथुरा से मुद्रित।

कार्यालय:- यूनिक बिल्डिंग, 289-290 डायबिल नगर, कृष्णा नगर चौक, मथुरा।

संपादक-पवन गौतम

फोन नंबर-0565-2420150, मो. 9837155888

E-mail : uniquesamaynews@gmail.com

website : uniquesamay.com

RNI-UPHIN/2023/85053

DAVP-: 134220

डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026-28

सभी विवादों का न्यायालय स्थान मथुरा होगा।

जीएलए एमबीए-लॉजिस्टिक्स एंड सप्लाई चेन मैनेजमेंट के शत-प्रतिशत छात्र चयनित

यूनिक समय, मथुरा। देश में ई-कॉमर्स, मैन्युफैक्चरिंग, रिटेल और वैश्विक व्यापार के तेजी से बढ़ते विस्तार ने लॉजिस्टिक्स और सप्लाई चेन मैनेजमेंट को रोजगार के सबसे संभावनाशील क्षेत्रों में शामिल कर दिया है। उद्योग जगत में प्रशिक्षित पेशेवरों की इसी बढ़ती मांग का एक प्रमाण जीएलए विश्वविद्यालय के इंस्टीट्यूट ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट के एमबीए-लॉजिस्टिक्स एंड सप्लाई चेन मैनेजमेंट कार्यक्रम का शत-प्रतिशत प्लेसमेंट भी है। वर्ष 2026 बैच के सभी 23 विद्यार्थियों को देश-विदेश की प्रतिष्ठित कंपनियों में रोजगार के अवसर प्राप्त हुए हैं, जो इस कार्यक्रम की गुणवत्ता और उद्योग में इसकी बढ़ती स्वीकार्यता को दर्शाता है।

जीएलए एमबीए-लॉजिस्टिक्स एंड सप्लाई चेन मैनेजमेंट के शत-प्रतिशत छात्र चयनित छात्रों के साथ शिक्षक।

जीएलए में एमबीए-लॉजिस्टिक्स एंड सप्लाई चेन मैनेजमेंट कार्यक्रम ओम लॉजिस्टिक्स एंड सप्लाई चेन के सहयोग से संचालित किया जाता है। इस साझेदारी के अंतर्गत पाठ्यक्रम निर्माण, क्लासरूम डिलीवरी, इंडस्ट्री वर्कशॉप्स, गेस्ट लेक्चर और इंडस्ट्री विजिट जैसी गतिविधियों में उद्योग विशेषज्ञों की सक्रिय भागीदारी रहती है। इससे विद्यार्थियों को अध्ययन के दौरान ही कॉर्पोरेट जगत की कार्यप्रणाली, प्रबंधन कौशल और उद्योग की वास्तविक आवश्यकताओं को समझने का अवसर मिलता है।

इस कार्यक्रम की एक प्रमुख विशेषता उद्योग आधारित प्रशिक्षण है। वर्तमान में 2025-27 बैच के विद्यार्थी ओम लॉजिस्टिक्स के विभिन्न लॉजिस्टिक्स हब्स पर इंटर्नशिप कर रहे हैं, जहां वे वेयरहाउस प्रबंधन, परिवहन संचालन, वितरण नेटवर्क और सप्लाई चेन प्रक्रियाओं की व्यावहारिक बारीकियों को सीख रहे हैं। यह अनुभव उन्हें उद्योग की चुनौतियों को समझने और पेशेवर जीवन के लिए तैयार होने में मदद कर रहा है।

इंस्टीट्यूट ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट के निदेशक डॉ. अनुराग सिंह ने कहा कि आज लॉजिस्टिक्स और सप्लाई चेन केवल एक उद्योग नहीं, बल्कि देश की आर्थिक प्रगति का महत्वपूर्ण आधार बन चुका है। किसी भी उत्पाद को निर्माता से उपभोक्ता तक सही समय पर, सुरक्षित, और कम लागत में पहुंचाने की पूरी प्रक्रिया एक मजबूत सप्लाई चेन पर निर्भर करती है। यही कारण है कि ई-कॉमर्स, मैन्युफैक्चरिंग, रिटेल और अंतरराष्ट्रीय व्यापार के विस्तार के साथ इस क्षेत्र में कुशल पेशेवरों की मांग लगातार बढ़ रही है।

एसोसिएट हेड प्रो. कृष्णवीर सिंह ने कहा कि शत-प्रतिशत प्लेसमेंट की यह उपलब्धि विद्यार्थियों की मेहनत और प्रतिभा के साथ-साथ उद्योग और शिक्षा के सफल समन्वय का भी उत्कृष्ट उदाहरण है। उन्होंने कहा कि लॉजिस्टिक्स और सप्लाई चेन मैनेजमेंट आज उन चुनिंदा क्षेत्रों में शामिल है, जहां प्रशिक्षित युवाओं के लिए रोजगार के अवसर लगातार बढ़ रहे हैं।

उन्होंने बताया कि यह कार्यक्रम विद्यार्थियों को न केवल गुणवत्तापूर्ण प्रबंधन शिक्षा प्रदान कर रहा है, बल्कि उन्हें तेजी से विकसित हो रहे उद्योग में सफल करियर बनाने का अवसर भी दे रहा है। सेफएक्सप्रेस, ओम लॉजिस्टिक्स, काइजेन इंस्टीट्यूट, ड्यूपॉन्ट, डीबी शेंकर, ब्लिंकिट, सीबर्ड लॉजिसॉल्यूशंस, लॉगप्रो सप्लाई चेन सॉल्यूशंस, आज सप्लाई चेन, बिकानेरवाला फूड्स समेत कई प्रतिष्ठित राष्ट्रीय-बहुराष्ट्रीय कंपनियों में जीएलए के विद्यार्थी नौकरी कर रहे हैं।

उपेक्षा का शिकार चंद्र कुंड, लगा गंदगी का अंबार

कूड़े और धुएं से बिगड़ती क्षेत्रीय छवि

युवाओं ने उठाई आवाज

यूनिक समय, छाता। धार्मिक और ऐतिहासिक महत्व रखने वाला चंद्र कुंड आज अपनी बदहाली पर आंसू बहा रहा है। स्थानीय प्रशासन और नगर पंचायत की लापरवाही के कारण इस पवित्र स्थल पर चारों तरफ भारी गंदगी का साम्राज्य फैल चुका है। स्थिति यह है कि बाहर से आने वाले श्रद्धालुओं और पर्यटकों की नजर पड़ते ही उन्हें निराशा हाथ लगती है। इस दुर्दशा को देख स्थानीय नौजवान युवाओं का गुस्सा फूट पड़ा है, उन्होंने व्यवस्था में तत्काल सुधार करने की अपील की है।

चंद्रकुड में गंदगी के अंबार को देखकर नारेबाजी करते युवक।

स्थानीय निवासियों का कहना है कि प्रशासन और आम लोगों को इस ऐतिहासिक कुंड की याद सिर्फ साल में एक बार दीपावली के त्योहार पर आती है। दीपावली पर यहां बड़े स्तर पर दीपदान कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है, जिसमें लोग बढ़-चढ़कर हिस्सा लेते हैं। लेकिन उस एक दिन के उत्सव के बाद पूरे साल इस कुंड को इसके हाल पर छोड़ दिया जाता है। देखरेख के अभाव में इसकी स्थिति लगातार बदतर होती जा रही है।

युवाओं ने गंभीर आरोप लगाते हुए बताया कि जिस नगर पंचायत पर इस धरोहर को साफ-सुथरा रखने की जिम्मेदारी है, वही इसे बर्बाद करने पर तुली है। आरोप है कि नगर पंचायत के कर्मचारी खुद प्रतिदिन नगर का गंदा कूड़ा-कचरा लाकर इस पवित्र कुंड के आस-पास डाल रहे हैं और आग लगा देते हैं,इस वजह से यहां से गुजरना भी दूभर हो गया है, संक्रामक बीमारियों के फैलने का खतरा मंडरा रहा है।

लोग आसमान को देखते है तो सबसे पहले हमारी इस धरोहर पर नजर पड़ती है, लेकिन यहां फैली गंदगी धुआं हमारे क्षेत्र की छवि को खराब कर रहा है। अगर नगर पंचायत ने तुरंत कूड़ा डालना बंद नहीं किया और कुंड की साफ-सफाई की मुकम्मल व्यवस्था नहीं की तो क्षेत्र का युवा चुप नहीं बैठेगा और उग्र आंदोलन के लिए बाध्य होगा।

स्थानीय युवाओं और नागरिकों ने डीएम और नगर पंचायत के उच्च अधिकारियों से मांग की है कि चंद्र कुंड के सुंदरीकरण और नियमित सफाई के लिए कड़े कदम उठाए जाएं, ताकि इसकी गरिमा को बहाल किया जा सके।

इस दौरान मुकेश पहलवान, माधव शर्मा, अजीत, रोहित, पीतम, भोला, मनु ठाकुर, लालसिंह, विशाल सिंह, कान्हा ठाकुर, भगवान, चीनू, प्रेमपाल, लेखराज और चिंटू आदि मौजूद थे।

छाता के दौताना में मोहर्रम पर लगा रक्तदान शिविर

यूनिक समय, छाता। मोहर्रम पर ग्राम दौताना स्थित सुल्ली प्रधान की चौपाल पर स्वैच्छिक रक्तदान शिविर लगाया। लाइफ केयर चैरिटेबिल ब्लड बैंक के सहयोग से आयोजित शिविर में लोगों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। तीन बजे तक 26 युवकों ने रक्तदान कर मानवता की सेवा में अपना योगदान दिया। इस दौरान कासिब मुखिया, बबलू कादरी, मुबारक, राहत अली, सोहिल, साजिद, अमीन, खालिद हुसैन और रहीश आदि मौजूद थे।

दुकान में आग लगने से मची अफरा-तफरी

यूनिक समय, वृंदावन। कैलाश नगर कालोनी के सेक्टर दो में तेजवीर सिंह की डेयरी में आग लगने से कई हजार रुपये कीमत का सामान जल गया। आग की घटना शुक्रवार सुबह हुई। आग की लपटों को देखकर आसपास के लोगों ने तत्परता दिखाते हुए आग पर काबू पाया। इससे पहले काफी सामान को दुकान से बाहर निकाल लिया गया। आग लगने का कारण पता नहीं चल सका है।

ठा. बांकेबिहारी के आशीर्वाद से संगठन को मिलेगी शक्ति

भाजपा ब्रज क्षेत्र के नवनियुक्त क्षेत्रीय अध्यक्ष आए वृंदावन

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, वृंदावन। भाजपा ब्रज क्षेत्र के नवनियुक्त क्षेत्रीय अध्यक्ष पूरन लाल लोधी ने अपने प्रथम ब्रज आगमन पर वृंदावन पहुंचकर ठाकुर बाँके बिहारी के दर्शन-पूजन कर आशीर्वाद प्राप्त किया।

वहीं राया कट पर भाजपा जिलामहानगर और जिला इकाई के कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत किया। जिला महानगर अध्यक्ष हरीशंकर राजू यादव और जिलाध्यक्ष निर्भय पांडे के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने उन्हें सम्मानित किया। क्षेत्रीय अध्यक्ष पूरन लाल लोधी ने कहा कि श्रीकृष्ण जन्मभूमि, ठाकुर बाँके बिहारी और ब्रज रज की पावन धरा पर प्रथम आगमन उनके लिए अत्यंत सौभाग्य, श्रद्धा और आध्यात्मिक ऊर्जा का विषय है। उन्होंने कहा कि ठाकुर बाँके बिहारी का आशीर्वाद उन्हें संगठन के प्रति और अधिक समर्पण, सेवा और निष्ठा के साथ कार्य करने की शक्ति प्रदान करेगा। उन्होंने कहा कि भाजपा की सबसे बड़ी ताकत उसके समर्पित कार्यकर्ता हैं। कार्यकर्ताओं के अथक परिश्रम, समर्पण और संगठनात्मक क्षमता के बल पर ही भाजपा आज विश्व का सबसे बड़ा राजनीतिक संगठन बनी है।

भाजपा जिला मीडिया प्रभारी श्याम शर्मा ने कहा कि ब्रज क्षेत्र के नवनियुक्त क्षेत्रीय अध्यक्ष का मथुरा आगमन पूरे संगठन के लिए उत्साह, ऊर्जा और प्रेरणा का अवसर है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि क्षेत्रीय अध्यक्ष के नेतृत्व में ब्रज क्षेत्र में संगठन और अधिक सुदृढ़ होगा। पार्टी की जनकल्याणकारी नीतियों और सरकार की योजनाओं को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने का अभियान और गति पकड़ेगा।

इस अवसर पर भाजपा जिला महामंत्री कुंज बिहारी चतुर्वेदी, ललित गौतम, विनीत शर्मा, ठाकुर सुरेंद्र सिंह, अंकुर गुर्जर, मनोज ठाकुर सौनोठ, दीपक गोला, बृजेश अहेरिया, बलराम शर्मा, संजय शर्मा, पूर्व महापौर डॉ. मुकेश आर्य बंधु, पार्षद मुकेश सारस्वत उपसभापति ,पार्षद प्रकाश अग्रवाल, गणेश, धर्मेश नौहवार, प्रणय पाराशर, राजू चौधरी, लोकेश निषाद, अवधेश उपाध्याय,हेमंत खंडौली, जितेंद्र वार्ष्णेय, कुलदीप शर्मा, आकाश चौधरी, सतपाल चौधरी, अनिल चौधरी और ज्ञानेंद्र आदि उपस्थित थे।

कृषि विभाग ने जताई रकबा कम होने की आशंका

मानसून की बेरुखी से घट सकता है धान रकबा!

यूनिक समय, मथुरा। मानसून की धीमी रफ्तार का असर जिले में अब खेती पर साफ दिखाई देने लगा है। जून का अंतिम सप्ताह बीतने को है, लेकिन अपेक्षित बारिश नहीं होने से धान की रोपाई प्रभावित हो रही है। खेतों में पर्याप्त पानी नहीं होने के कारण बड़ी संख्या में किसान अभी रोपाई शुरू नहीं कर पाए हैं। कृषि विशेषज्ञों का मानना है कि यदि अगले कुछ दिनों में अच्छी वर्षा नहीं हुई तो इस बार जिले में धान का रकबा कम हो सकता है जिले के मांट, नौहझील, फरह, बल्देव, छाता और गोवर्धन क्षेत्र के किसान धान रोपाई के लिए बारिश का इंतजार कर रहे हैं। जिन किसानों ने धान की नर्सरी तैयार कर ली है, वे समय पर रोपाई न होने से चिंतित हैं। अधिक समय तक नर्सरी में पौधे रहने से उनकी गुणवत्ता प्रभावित होने की आशंका भी बढ़ रही है। कई किसान डीजल पंप और ट्यूबवेल के सहारे

खेतों में पानी भरकर रोपाई करने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन इससे खेती की लागत बढ़ रही है। डीजल, बिजली और सिंचाई पर अतिरिक्त खर्च छोटे और सीमांत किसानों के लिए बड़ी चुनौती बनता जा रहा है। किसानों का कहना है कि यदि जल्द बारिश नहीं हुई तो कुछ लोग धान की जगह बाजरा, ज्वार, मूंग या अन्य कम पानी वाली फसलों की ओर रुख कर सकते हैं। जिला कृषि अधिकारी आवेश कुमार के अनुसार जिले में धान की खेती का अधिकांश हिस्सा मानसून की बारिश

बारिश के अभाव में अभी कई क्षेत्रों में नहीं हो सका है रोपाई का काम

पर निर्भर करता है। समय पर पर्याप्त वर्षा होने पर रोपाई तेजी पकड़ लेती है, लेकिन लंबे समय तक बारिश में देरी रहने से उत्पादन प्रभावित हो सकता है। विभाग किसानों को मौसम के पूर्वानुमान पर नजर रखने और आवश्यकतानुसार सिंचाई प्रबंधन अपनाने की सलाह दे रहा है। धान का रकबा कम होता है तो बाजरा का बढ़ सकता है। कृषि वैज्ञानिकों का कहना है कि धान की रोपाई का उपयुक्त समय निकलने पर पैदावार में कमी आने की संभावना रहती है। ऐसे में किसानों को प्रमाणित बीज, संतुलित उर्वरक और वैज्ञानिक सलाह के अनुसार खेती करने की आवश्यकता है। साथ ही जल संरक्षण के उपाय अपनाने पर भी जोर दिया जा रहा है, ताकि उपलब्ध पानी का बेहतर उपयोग किया जा सके।

एक नजर खरीफ रकबा पर
धान- 104604
बाजरा- 65195
ज्वार- 17677
कपास- 12496
मक्का- 1406

किसानों की उम्मीद अब पूरी तरह मानसून पर टिकी हुई है। यदि अगले एक सप्ताह में अच्छी बारिश होती है तो धान की रोपाई में तेजी आ सकती है और संभावित नुकसान काफी हद तक कम हो सकता है। वहीं, मानसून की बेरुखी लंबी खिंचने पर जिले की खरीफ फसल, किसानों की आय और कृषि अर्थव्यवस्था पर इसका व्यापक प्रभाव पड़ने की आशंका बनी हुई है।

जयपुर के भक्तों ने किया गिरिराज जी में विशाल मासिक भंडारा

गोवर्धन में किया गया आमेर जयपुर के भक्तों द्वारा किया गया भंडारा।

यूनिक समय, गोवर्धन । आमेर, जयपुर के श्रद्धालु भक्तों ने विशाल मासिक भंडारे का आयोजन श्रद्धा एवं भक्ति भाव के साथ किया गया। भंडारे में बड़ी परिक्रमा करने वाले श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। इस अवसर पर सभी समाज के सदस्यों ने सेवा भाव से भंडारे में आए श्रद्धालुओं को भोजन वितरण कर स्वागत किया। भंडारे में श्री गिरिराज जी महाराज के जयकारों से परिसर गूंज उठा आयोजकों ने बताया कि इस प्रकार के धार्मिक एवं सामाजिक आयोजन समाज में आपसी भाईचारे, सेवा और सद्भाव की भावना को मजबूत करते हैं। श्रद्धालुओं ने सैनी समाज के इस सराहनीय प्रयास की प्रशंसा करते हुए आयोजकों का आभार व्यक्त किया ।

दही और खजूर से तैयार यह ब्रेकफास्ट देगा दिनभर एनर्जी

यूनिक समय, नई दिल्ली। आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में लोग अक्सर नाश्ते में पराठे, पूड़ी या तली-भुनी चीजें खा लेते हैं। इससे पेट तो भर जाता है, लेकिन शरीर को पर्याप्त पोषण नहीं मिल पाता। ऐसे में एम्स से प्रशिक्षित डॉक्टर सौरभ सेठी ने एक ऐसा हेल्दी ब्रेकफास्ट बताया है, जिसे रात में तैयार करके सुबह आसानी से खाया जा सकता है। यह नाश्ता पोषक तत्वों से भरपूर है और वजन नियंत्रित रखने के साथ शरीर को लंबे समय तक ऊर्जा देने में मदद करता है। इस हेल्दी ब्रेकफास्ट को बनाने के लिए सबसे पहले चार खजूर लें और उनके बीज निकालकर थोड़े पानी में भिगो दें। इसके बाद खजूर को अच्छी तरह मैश करें। अब इसमें एक चम्मच पीनट बटर और दो से तीन चम्मच ग्रीक योगर्ट या गाढ़ा दही मिलाएं। फिर दो चम्मच चिया सीड्स, आधा चम्मच दालचीनी पाउडर और लगभग

एक-तिहाई कप दूध डालकर सभी चीजों को अच्छी तरह मिला लें। तैयार मिश्रण को एयरटाइट डिब्बे में भरकर पूरी रात फ्रिज में रख दें। सुबह इस मिश्रण के ऊपर ब्लूबेरी डालकर खाएं। यदि ब्लूबेरी उपलब्ध न हो तो आप मौसमी फल जैसे सेब, केला, अनार या स्ट्रॉबेरी भी मिला सकते हैं। इससे नाश्ता और भी स्वादिष्ट व पौष्टिक बन जाएगा। इस ब्रेकफास्ट में मौजूद चिया सीड्स फाइबर और ओमेगा-3 फैटी एसिड का अच्छा स्रोत हैं, जो पाचन को बेहतर बनाने और लंबे समय तक पेट भरा रखने में मदद करते हैं। दही और दूध शरीर को प्रोटीन और कैल्शियम प्रदान करते हैं, जबकि खजूर प्राकृतिक मिठास के साथ तुरंत ऊर्जा और आयरन उपलब्ध कराते हैं। पीनट बटर से हेल्दी

रात में बनाएं सुबह खाएं

फैट और अतिरिक्त प्रोटीन मिलता है, वहीं दालचीनी शरीर में सूजन कम करने और ब्लड शुगर को संतुलित रखने में सहायक मानी जाती है। यह हेल्दी ब्रेकफास्ट खासतौर पर उन लोगों के लिए अच्छा विकल्प है, जो वजन घटाना चाहते हैं, व्यस्त दिनचर्या के कारण सुबह ज्यादा समय नहीं निकाल पाते या पौष्टिक नाश्ते की तलाश में हैं। हालांकि, यदि आपको किसी सामग्री से एलर्जी है या कोई गंभीर स्वास्थ्य समस्या है, तो इस तरह के आहार को अपनाने से पहले डॉक्टर या डाइटिशियन की सलाह जरूर लें। नियमित रूप से संतुलित आहार और स्वस्थ जीवनशैली अपनाकर आप लंबे समय तक फिट और ऊर्जावान रह सकते हैं।

इतिहास और प्राकृतिक खूबसूरती का अनोखा संगम है मांडू

यूनिक समय, नई दिल्ली। मध्य प्रदेश का मांडू अपनी ऐतिहासिक विरासत, शानदार वास्तुकला और प्राकृतिक खूबसूरती के लिए देश-दुनिया में मशहूर है। विंध्याचल की पहाड़ियों पर बसा यह प्राचीन शहर हर साल हजारों पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करता है। चारों ओर फैली हरियाली, शांत वातावरण और ऐतिहासिक इमारतें इस जगह को बेहद खास बनाती हैं। यही वजह है कि मांडू को यूनेस्को की अस्थायी विश्व धरोहर सूची में भी शामिल किया गया है। मांडू का सबसे प्रसिद्ध आकर्षण जहाज महल है। दो तालाबों के बीच बना यह महल दूर से किसी विशाल जहाज की तरह दिखाई देता है। इसकी अनोखी वास्तुकला और आसपास का खूबसूरत नजारा पर्यटकों को मंत्रमुग्ध कर देता है। इसके अलावा रानी रूपमती मंडप, बाज बहादुर महल, हिंडोला महल और जामा मस्जिद भी यहां की पहचान हैं। इन ऐतिहासिक स्थलों से जुड़ी कहानियां और भव्य निर्माण कला इतिहास प्रेमियों को बेहद आकर्षित करती हैं। प्रकृति प्रेमियों के लिए मांडू का इको पॉइंट और सनसेट

पॉइंट किसी स्वर्ग से कम नहीं हैं। यहां से दिखाई देने वाली पहाड़ियां, गहरी घाटियां और बादलों से घिरा मनमोहक वातावरण हर किसी का दिल जीत लेता है। फोटोग्राफी के शौकीनों के लिए भी यह जगह किसी खजाने से कम नहीं मानी जाती। अगर आप ऐसी जगह की तलाश में हैं जहां इतिहास, प्राकृतिक सुंदरता और सुकून भरा माहौल एक साथ मिले, तो मांडू आपकी यात्रा सूची में जरूर होना चाहिए। यहां की ऐतिहासिक धरोहर, मनमोहक नजारे और शांत वातावरण हर पर्यटक को यादगार अनुभव देते हैं। यही कारण है कि जो भी एक बार मांडू घूमने जाता है, वह इसकी खूबसूरती को लंबे समय तक भूल नहीं पाता।

सिरके का ऐसा इस्तेमाल जानकर रह जाएंगे हैरान

यूनिक समय, नई दिल्ली। रसोई में इस्तेमाल होने वाला साधारण सिरका सिर्फ स्वाद बढ़ाने के लिए ही नहीं, बल्कि खाने का टेक्सचर और क्वालिटी बेहतर बनाने के लिए भी बेहद उपयोगी है। मशहूर शेफ रणवीर बरार ने हाल ही में सिरके के चार ऐसे फायदे बताए हैं, जो घर पर रेस्टोरेंट जैसा कुरकुरा और स्वादिष्ट खाना बनाने में मदद कर सकते हैं। शेफ के अनुसार, पकोड़े, भजिया या अन्य तली हुई चीजों के बैटर में 1 से 2 चम्मच सिरका मिलाने से स्नैक्स ज्यादा कुरकुरे बनते हैं। सिरका बैटर में हल्की और संतुलित खटास भी जोड़ता है, जिससे खाने का स्वाद और बेहतर हो जाता है। इसके अलावा यह बैटर को लंबे समय तक फ्रेश रखने में मदद करता है, जिससे उसे बार-बार तैयार करने की जरूरत नहीं पड़ती। सिरका

शेफ रणवीर बरार ने बताए 4 फायदे

बैटर को स्मूद और एकसार भी बनाता है, जिससे तली हुई चीजों की कोटिंग बेहतर होती है। अगर इसमें बेकिंग सोडा भी मिलाया जाए, तो दोनों की रासायनिक प्रक्रिया से बैटर हल्का और फूला हुआ बनता है, जिससे स्नैक्स बाहर से ज्यादा क्रिस्पी और अंदर से मुलायम बनते हैं। हालांकि, सिरके का इस्तेमाल हमेशा सीमित मात्रा में ही करना चाहिए, क्योंकि अधिक मात्रा स्वाद को बिगाड़ सकती है।

मलाईदार दही जमाने का आसान तरीका जानें

यूनिक समय, नई दिल्ली। अगर आप घर पर बाजार जैसा गाढ़ा, मलाईदार और स्वादिष्ट दही जमाना चाहते हैं, तो सही दूध और सही तरीका अपनाना बेहद जरूरी है। विशेषज्ञों के अनुसार, भैंस का दूध या फुल क्रीम दूध दही जमाने के लिए सबसे अच्छा माना जाता है, क्योंकि इसमें फैट अधिक होता है और दही गाढ़ा बनता है। दूध को पहले अच्छी तरह उबालें, फिर धीमी आंच पर करीब 5 मिनट तक पकाएं। इसके बाद दूध को हल्का गुनगुना होने दें। अब इसमें एक बड़ा चम्मच ताजा और गाढ़ा दही (जामन) मिलाकर बर्तन को ढक दें और 7 से 8 घंटे तक बिना हिलाए रखें। दही जमने के बाद इसे फ्रिज में रख दें। ध्यान रखें कि खट्टा या पतला जामन इस्तेमाल न करें और फ्रिज में रखा ठंडा दूध सीधे गर्म करके दही न जमाएं। सही तापमान और ताजा जामन का इस्तेमाल करने से दही गाढ़ा, मलाईदार और स्वाद में बेहतरीन बनता है, जो बाजार के दही से भी ज्यादा स्वादिष्ट लगता है।

प्यार नहीं शादी है खतरे के संकेत

यूनिक समय, नई दिल्ली। शादी तय होने के बाद हर रिश्ता खूबसूरत नजर आता है, लेकिन इसी दौर में कुछ ऐसी आदतें भी सामने आती हैं जिन्हें नजरअंदाज करना भविष्य में भारी पड़ सकता है। रिश्ते में प्यार के साथ भरोसा, सम्मान और समझदारी भी उतनी ही जरूरी होती है। विशेषज्ञों के अनुसार, शादी से पहले कुछ 'रेड फ्लैग्स' पर ध्यान देना बेहद जरूरी है। अगर आपका होने वाला जीवनसाथी आपकी पसंद, राय या फैसलों की कद्र नहीं करता और हर बात अपनी मर्जी से मनवाना चाहता है, तो यह रिश्ते में असंतुलन का संकेत हो सकता है। इसी तरह छोटी-छोटी बातों पर गुस्सा करना, अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल करना या दूसरों के सामने नीचा दिखाना भी गंभीर चेतावनी मानी

शादी से पहले सच जानें

जाती है। बार-बार झूठ बोलना, जरूरी बातें छिपाना या आर्थिक मामलों में पारदर्शिता न रखना भी भविष्य में विश्वास की कमी पैदा कर सकता है। वहीं, जरूरत से ज्यादा शक करना, फोन या सोशल मीडिया पर नजर रखना और दोस्तों से मिलने-जुलने पर रोक लगाना प्यार नहीं, बल्कि कंट्रोल करने की प्रवृत्ति का संकेत हो सकता है। विशेषज्ञों का कहना है कि इन संकेतों का मतलब यह नहीं कि रिश्ता तुरंत खत्म कर दिया जाए। सबसे पहले खुलकर बातचीत करें और समस्याओं को समझने की कोशिश करें। स्वस्थ रिश्ता वही है, जहां दोनों एक-दूसरे की भावनाओं का सम्मान करें, ईमानदारी बनाए रखें और हर परिस्थिति में साथ मिलकर फैसले लें। शादी से पहले सही समझदारी भविष्य के रिश्ते को मजबूत और खुशहाल बना सकती है।

आम का रायता बढ़ाएगा खाने का स्वाद

यूनिक समय, नई दिल्ली। अगर आपने अब तक मैंगो रायता नहीं चखा है, तो इस बार इसे जरूर ट्राई करें। मीठे आम और ताजे दही से बनने वाला यह रायता स्वाद के साथ सेहत का भी बेहतरीन मेल है। इसे बनाने के लिए दो कप फेंटा हुआ दही लें और उसमें आधे आम व पुदीने की पत्तियों का पेस्ट मिलाएं। फिर काला नमक, भुना जीरा पाउडर और चाट मसाला डालकर अच्छी तरह मिक्स करें। तैयार रायते को सर्विंग बाउल में निकालें और ऊपर से आम के छोटे टुकड़े व हल्की कश्मीरी लाल मिर्च छिड़ककर परोसें। मैंगो रायता पाचन के लिए भी फायदेमंद माना जाता है। दही में मौजूद प्रोबायोटिक्स पेट को स्वस्थ रखते हैं, जबकि आम में पाए जाने वाले पोषक तत्व शरीर को ऊर्जा देने के साथ त्वचा और आंखों के लिए भी लाभकारी होते हैं। गर्मियों में यह रायता खाने का स्वाद कई गुना बढ़ा देता है।

चेहरे की हर परेशानी का देसी इलाज नीम का कमाल

यूनिक समय, नई दिल्ली। नीम को आयुर्वेद में औषधीय गुणों का खजाना माना जाता है। बदलते मौसम, धूल-प्रदूषण और अनियमित जीवनशैली का सबसे ज्यादा असर त्वचा पर पड़ता है। ऐसे में केमिकल युक्त ब्यूटी प्रोडक्ट्स की जगह नीम का इस्तेमाल त्वचा के लिए फायदेमंद साबित हो सकता है। एंटी-बैक्टीरियल, एंटी-फंगल, एंटी-इंफ्लेमेटरी और एंटीऑक्सीडेंट गुणों से भरपूर नीम कई तरह की स्किन समस्याओं से राहत दिलाने में मदद करता है। अगर आप बार-बार होने वाले पिंपल्स और एक्ने से परेशान हैं, तो नीम का इस्तेमाल लाभकारी हो सकता है। इसमें मौजूद एंटी-बैक्टीरियल गुण त्वचा पर मौजूद बैक्टीरिया को खत्म करने में मदद करते हैं और अतिरिक्त तेल को नियंत्रित करते हैं, जिससे नए मुंहासे बनने की संभावना कम हो जाती है। नीम चेहरे के दाग-धब्बों और

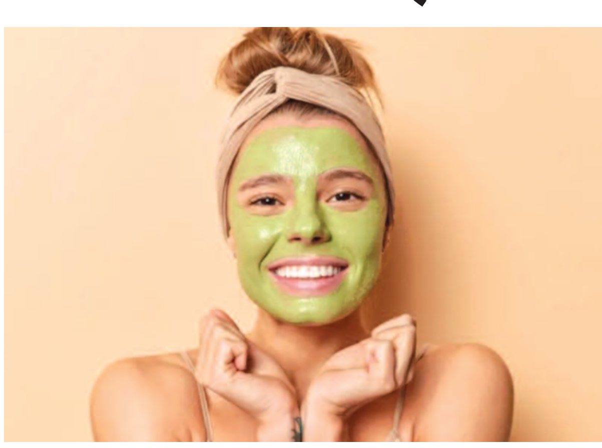

पिग्मेंटेशन को हल्का करने में भी सहायक माना जाता है। इसमें मौजूद विटामिन ई और प्राकृतिक तत्व त्वचा की मरम्मत करने में मदद करते हैं, जिससे चेहरे की रंगत निखरती है और टैनिंग धीरे-धीरे कम होने लगती है। ऑयली स्किन वाले लोगों के लिए भी नीम किसी प्राकृतिक क्लेंजर की तरह काम करता है। यह त्वचा के रोमछिद्रों की गहराई से सफाई करता है और अतिरिक्त तेल को नियंत्रित कर चेहरे को साफ और ताजगीभरा बनाए रखने में मदद करता है। अगर त्वचा पर जलन, लालिमा या सूजन की समस्या रहती है, तो नीम के एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण राहत पहुंचा सकते हैं। यह एक्जिमा और सोरायसिस जैसी त्वचा संबंधी समस्याओं के लक्षणों को कम

ग्लोइंग स्किन का राज है

करने में भी सहायक माना जाता है। इसके अलावा नीम में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स त्वचा को फ्री रेडिकल्स से बचाकर समय से पहले होने वाली झुर्रियों और फाइन लाइन्स की समस्या को कम करने में मदद करते हैं। नीम का इस्तेमाल करने के लिए इसकी ताजी पत्तियों का पेस्ट बनाकर उसमें थोड़ा शहद या गुलाब जल मिलाएं। इस मिश्रण को चेहरे पर 15 मिनट तक लगाकर सादे पानी से धो लें। नियमित उपयोग से त्वचा साफ, मुलायम और चमकदार दिखाई दे सकती है। हालांकि, यदि आपकी त्वचा बहुत संवेदनशील है या किसी प्रकार की एलर्जी है, तो इस्तेमाल से पहले पैच टेस्ट जरूर करें या त्वचा विशेषज्ञ की सलाह लें।

अंडा या सोया चंक किसमें है ज्यादा प्रोटीन

यूनिक समय, नई दिल्ली। प्रोटीन शरीर की मांसपेशियों, हड्डियों और कोशिकाओं के निर्माण के लिए बेहद जरूरी पोषक तत्व है। ऐसे में अक्सर लोगों के मन में सवाल उठता है कि अंडा बेहतर है या सोया चंक्स? दोनों ही प्रोटीन के अच्छे स्रोत माने जाते हैं, लेकिन पोषण के लिहाज से इनमें कुछ अहम अंतर हैं। 100 ग्राम सोया चंक्स में लगभग 50 से 52 ग्राम प्रोटीन पाया जाता है, जबकि 100 ग्राम अंडे में करीब 13 ग्राम प्रोटीन होता है। यानी प्रोटीन की मात्रा के मामले में सोया चंक्स अंडे से काफी आगे हैं। यही वजह है कि शाकाहारी लोगों के लिए सोया चंक्स बेहतरीन विकल्प माना जाता है। हालांकि, अंडे में मौजूद प्रोटीन की गुणवत्ता बहुत उच्च मानी जाती है। इसमें शरीर के लिए जरूरी सभी आवश्यक अमीनो एसिड पर्याप्त मात्रा में मौजूद होते हैं, जिससे यह आसानी से पच जाता है और मांसपेशियों की रिकवरी में मदद करता है। दूसरी ओर, सोया चंक्स में भी अच्छी गुणवत्ता का प्लांट-बेस्ड प्रोटीन, फाइबर और आयरन जैसे पोषक तत्व मिलते हैं। अगर आपका लक्ष्य मसल्स बनाना या रोजाना प्रोटीन की जरूरत पूरी करना है, तो दोनों ही खाद्य पदार्थ फायदेमंद हैं। शाकाहारी लोग सोया चंक्स को डाइट में शामिल कर सकते हैं, जबकि अंडा खाने वाले लोग इन दोनों का संतुलित सेवन करके बेहतर पोषण प्राप्त कर सकते हैं। किसी भी खाद्य पदार्थ का सेवन अपनी उम्र, स्वास्थ्य और पोषण संबंधी जरूरतों के अनुसार करना सबसे बेहतर माना जाता है।

सुविचार

रिश्ते निभाने के लिए समझ जरूरी है।

कल का पंचांग

तिथि	त्रयोदशी	10:22-12:43 तक	पक्ष	शुक्ल पक्ष
नक्षत्र	अनुराधा	07:15-10:11 तक	माह	ज्येष्ठ
सूर्योदय		5:30 AM	चन्द्रोदय	05:21 PM
सूर्यास्त		7:14 PM	चंद्रास्त	03:38 AM
सूर्य राशि		मिथुन राशि	चंद्र	वृश्चिक राशि
शुभ मुहूर्त		12:20PM -02:03 PM	ब्रहम् मुहूर्त	03:53-04:41
त्योहार/व्रत			विक्रम संवत्	2083
राहुकाल		08:56 AM: 10:39 AM	वार	शनिवार

ब्रज के मंदिरों के दर्शन

ब्रज की सभी कथा और श्री राधा कृष्ण की सभी लीलाओं के दर्शन यूनिक समय चैनल के माध्यम से करें।

Youtube Channel : https://youtube.com/uniquesamay

मंदिर खुलने व बंद होने का समय

- श्रीबांके बिहारीजी मंदिर में सुबह 8.00 से दोपहर 01.30 बजे तक और शाम 4.00 से रात 9.00 बजे तक।
- श्रीकृष्ण जन्मभूमि में श्री गर्भगृह के दर्शन सुबह 6.30 बजे से रात 9 बजे तक।
- श्रीकृष्ण जन्मभूमि के भागवत भवन व अन्य मंदिर में सुबह 6.30 बजे से दोपहर 12 बजे तक और शाम 4 बजे से रात 9 बजे तक।
- द्वारकाधीश मंदिर में सुबह 6.30 बजे से 11 बजे तक और शाम 4 बजे से 7.30 बजे तक।

कल का राशिफल

मेषः कार्यक्षेत्र में नई जिम्मेदारी मिलेगी। परिवार का सहयोग मिलेगा। खर्च नियंत्रित रखें, स्वास्थ्य और आत्मविश्वास बेहतर रहेगा।

वृषभः आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। रुके कार्य पूरे होंगे। रिश्तों में मधुरता बढ़ेगी, यात्रा के योग बन सकते हैं।

मिथुनः नौकरी में सफलता मिलेगी। नए संपर्क लाभ देंगे। विद्यार्थियों को शुभ समाचार मिलेगा, मन प्रसन्न रहेगा।

कर्कः पारिवारिक माहौल सुखद रहेगा। निवेश सोच–समझकर करें। पुराने मित्र से मुलाकात खुशी और लाभ देगी।

सिंहः व्यापार में लाभ मिलेगा। अधिकारियों का सहयोग रहेगा। आत्मविश्वास बढ़ेगा, लेकिन वाणी पर संयम रखना आवश्यक है।

कन्याः कार्यों में सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य बेहतर रहेगा। परिवार के साथ समय बिताने का अवसर मिलेगा, तनाव कम होगा।

तुलाः आर्थिक मामलों में सावधानी रखें। नई योजना लाभ देगी। दांपत्य जीवन में मधुरता और सम्मान बढ़ेगा।

वृश्चिकः रुका धन मिलने के संकेत हैं। कार्यक्षेत्र में प्रशंसा मिलेगी। यात्रा लाभदायक रहेगी, आत्मविश्वास बढ़ेगा।

धनुः भाग्य का साथ मिलेगा। धार्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। विद्यार्थियों को प्रतियोगिता में सफलता मिलने के योग हैं।

मकरः नौकरी और व्यापार में प्रगति होगी। परिवार का सहयोग मिलेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें, अनावश्यक विवाद से बचें।

कुंभः नए अवसर मिलेंगे। आर्थिक लाभ होगा। मित्रों का सहयोग मिलेगा, महत्वपूर्ण निर्णय सोच–समझकर लेना बेहतर रहेगा।

मीनः मन शांत रहेगा। कार्यों में सफलता मिलेगी। जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा, धन लाभ और शुभ समाचार प्राप्त होंगे।

मृत्यु के बाद 13 दिन क्यों पढ़ा जाता गरुड़ पुराण

गरुड़ पुराण समझाता है अच्छे कर्मों का महत्व

आत्मा की शांति से जुड़ी है धार्मिक मान्यता

परिजनों को दुख सहने की शक्ति देता पुराण

यूनिक समय, मथुरा। सनातन धर्म में किसी व्यक्ति की मृत्यु के बाद 13 दिनों तक गरुड़ पुराण का पाठ कराने की परंपरा प्राचीन समय से चली आ रही है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार यह केवल शोक संस्कार का हिस्सा नहीं, बल्कि आत्मा, कर्म और जीवन के गूढ़ रहस्यों को समझाने वाला महत्वपूर्ण ग्रंथ है। माना जाता है कि इस अवधि में गरुड़ पुराण का श्रवण परिवार को आध्यात्मिक संबल देता है और जीवन के सत्य को स्वीकार करने की प्रेरणा भी प्रदान करता है।

गरुड़ पुराण हिंदू धर्म के 18 महापुराणों में से एक है। इसमें भगवान विष्णु और उनके वाहन गरुड़ के बीच हुए संवाद का वर्णन मिलता है।

इस ग्रंथ में मृत्यु के बाद आत्मा की यात्रा, कर्मों के फल, धर्म, नीति और जीवन के विभिन्न पहलुओं का विस्तार से उल्लेख किया गया है। धार्मिक परंपराओं के अनुसार मृत्यु के बाद 13 दिनों तक इसका पाठ इसलिए कराया जाता है ताकि परिवार को जीवन की नश्वरता और सद्कर्मों के महत्व का बोध हो सके। लोकमान्यताओं में यह भी कहा जाता है कि मृत्यु के बाद आत्मा कुछ समय तक अपने परिजनों और परिचित वातावरण से जुड़ी रहती है। इसी कारण गरुड़ पुराण के पाठ को आत्मा की शांति और उसके आगे के मार्गदर्शन से जोड़कर देखा जाता है। हालांकि यह आस्था और धार्मिक विश्वास का विषय है, जिसका वैज्ञानिक प्रमाण उपलब्ध नहीं है।

MANNAT GROUP
Building Your Vision, Creating Reality

धर्माचार्यों के अनुसार गरुड़ पुराण केवल मृत्यु से जुड़ा ग्रंथ नहीं है। इसमें नीति, धर्म, आयुर्वेद, ज्योतिष, दान, सदाचार और मानव जीवन के कर्तव्यों का भी विस्तृत वर्णन मिलता है। यह मनुष्य को अच्छे कर्म करने, धर्म का पालन करने और नैतिक जीवन जीने की प्रेरणा देता है।

विशेषज्ञों का मानना है कि किसी प्रियजन की मृत्यु के बाद गरुड़ पुराण का पाठ परिजनों को मानसिक और आध्यात्मिक सहारा भी देता है। यह उन्हें जीवन की अनिश्चितता को स्वीकार करने और दुख से उबरने की शक्ति प्रदान करता है। इसी कारण आज भी देश के अनेक हिस्सों में 13 दिनों की शोक अवधि के दौरान गरुड़ पुराण का पाठ श्रद्धा और परंपरा के साथ कराया जाता है।

घर में बार–बार कॉकरोच दिखें, समझें क्या हैं संकेत

यूनिक समय, मथुरा। घर की नियमित साफ–सफाई के बावजूद यदि बार–बार कॉकरोच दिखाई दें, तो इसका कारण केवल गंदगी या नमी ही नहीं हो सकता। वैज्ञानिक दृष्टि से यह दरारों, भोजन के कणों और छिपने की जगहों के कारण होता है, जबकि वास्तु शास्त्र और ज्योतिष में इसे धार्मिक मान्यताओं के अनुसार कुछ विशेष संकेतों से भी जोड़कर देखा जाता है।

ज्योतिष शास्त्र में कॉकरोच और अन्य कीट–पतंगों का संबंध राहु ग्रह से माना जाता है। मान्यता है कि घर में इनकी अधिकता राहु के अशुभ प्रभाव, मानसिक तनाव, अनावश्यक खर्च और कार्यों में रुकावट का संकेत हो सकती है। हालांकि यह धार्मिक आस्था पर आधारित मान्यता है। वास्तु शास्त्र के अनुसार यदि किचन, स्टोर रूम, बाथरूम या दक्षिण–पश्चिम दिशा में बार–बार कॉकरोच दिखाई दें, तो इसे नकारात्मक ऊर्जा और वास्तु दोष का संकेत माना जाता है। विशेष रूप से रसोई में कॉकरोच का होना शुभ नहीं माना जाता, क्योंकि यह स्थान मां अन्नपूर्णा से जुड़ा माना जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार घर को साफ–सुथरा रखना, जूठे बर्तन रातभर न छोड़ना, कूड़ेदान नियमित खाली करना और नमी से बचाव करना आवश्यक है। साथ ही नियमित पूजा–पाठ, दीपक जलाना तथा सप्ताह में एक बार नमक मिले पानी से पोछा लगाने को भी सकारात्मक वातावरण के लिए लाभकारी माना जाता है। शनिवार को दान–पुण्य तथा भगवान भैरव और शनिदेव की आराधना करने की भी परंपरा बताई जाती है। हालांकि इन मान्यताओं का वैज्ञानिक प्रमाण उपलब्ध नहीं है और इन्हें आस्था के दृष्टिकोण से देखा जाता है।

व्रत में क्यों खाया जाता है सिर्फ सेंधा नमक?

यूनिक समय, मथुरा। हिंदू धर्म में नवरात्रि, एकादशी, शिवरात्रि और अन्य व्रतों के दौरान साधारण नमक की जगह सेंधा नमक का उपयोग करने की परंपरा है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, व्रत का उद्देश्य शरीर और मन की शुद्धि माना जाता है। इसी कारण सेंधा नमक को सात्विक और प्राकृतिक होने के कारण व्रत के भोजन में शामिल किया जाता है।

सेंधा नमक, जिसे रॉक सॉल्ट भी कहा जाता है, प्राकृतिक रूप से चट्टानों से प्राप्त होता है। इसे सामान्य नमक की तरह रासायनिक प्रक्रिया से नहीं बनाया जाता। यही वजह है कि इसे अधिक शुद्ध माना जाता है।

स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार सेंधा नमक में कैल्शियम, पोटैशियम, मैग्नीशियम और आयरन जैसे कई प्राकृतिक खनिज पाए जाते हैं। यह पाचन तंत्र को बेहतर रखने, शरीर में इलेक्ट्रोलाइट संतुलन बनाए रखने और पेट फूलने जैसी समस्याओं को कम करने में सहायक माना जाता है।

व्रत के दौरान इसका उपयोग साबूदाना, कुट्टू, सिंघाड़े के आटे, दही, रायता और अन्य फलाहारी व्यंजनों में किया जाता है। हालांकि किसी भी नमक का सेवन संतुलित मात्रा में ही करना स्वास्थ्य के लिए उचित माना जाता है।

हर देवता का अलग फूल, भूलकर भी न करें यह गलती

यूनिक समय, मथुरा। सनातन परंपरा में पूजा केवल श्रद्धा का विषय नहीं, बल्कि विधि–विधान और शास्त्रीय नियमों का भी पालन माना जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार हर देवी–देवता की प्रिय और निषिद्ध पूजन सामग्री अलग–अलग बताई गई है। ऐसे में पूजा की थाली सजाने से पहले यह जानना जरूरी है कि किस भगवान को कौन–सी वस्तु अर्पित करनी चाहिए और किन चीजों से परहेज करना चाहिए।

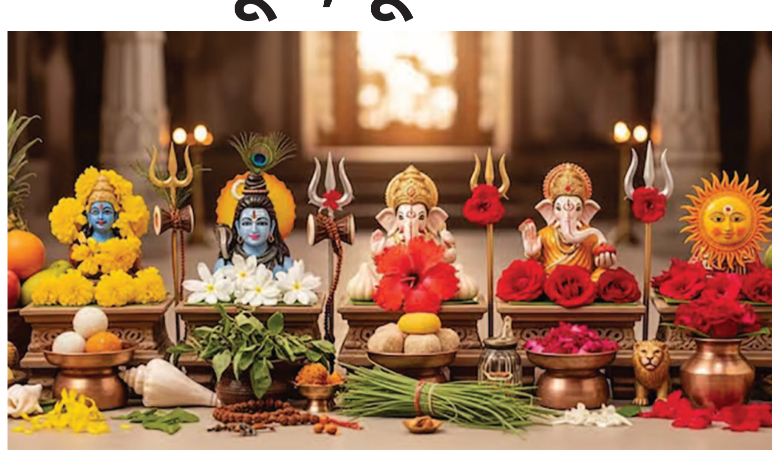

भगवान विष्णु की पूजा में हमेशा साबुत और स्वच्छ अक्षत (चावल) चढ़ाने की परंपरा है। टूटे हुए अक्षत, आक और धतूरा अर्पित नहीं किए जाते। शास्त्रों के अनुसार आक और धतूरा भगवान शिव को प्रिय माने जाते हैं, जबकि विष्णु पूजा में तुलसी दल, पीले पुष्प और स्वच्छ अक्षत का विशेष महत्व बताया गया है।

वहीं भगवान शिव की पूजा में बेलपत्र, धतूरा और आक अत्यंत प्रिय माने जाते हैं, लेकिन केतकी का फूल अर्पित नहीं किया जाता। पौराणिक मान्यता के अनुसार ब्रह्मा और विष्णु के बीच श्रेष्ठता विवाद के समय केतकी के फूल ने असत्य का साथ दिया था। इसी कारण भगवान शिव ने उसे अपनी पूजा में निषिद्ध कर दिया। भगवान गणेश की पूजा में तुलसी दल नहीं चढ़ाया जाता। धार्मिक कथा के अनुसार तुलसी ने गणेश जी से विवाह की इच्छा प्रकट की थी, जिसे उन्होंने स्वीकार नहीं किया। इसके बाद शाप और वरदान से जुड़ी घटना के कारण गणेश पूजा में तुलसी अर्पित न करने की परंपरा प्रचलित हुई।

मां दुर्गा की आराधना में शुद्धता का विशेष महत्व माना गया है। देवी को कभी भी बासी, कटे हुए या सड़े–गले फल अर्पित नहीं करने चाहिए। पूजा में हमेशा ताजे, स्वच्छ और बिना खराब हुए फल ही चढ़ाना शुभ माना जाता है। इसी प्रकार सूर्य देव की पूजा में लाल पुष्प, गुड़, गेहूं और जल से अर्घ्य देने का विधान है। उन्हें बिल्व पत्र अर्पित नहीं किए जाते, क्योंकि बिल्व पत्र मुख्य रूप से भगवान शिव की पूजा से जुड़े माने जाते हैं। धर्माचार्यों का कहना है कि पूजा का मूल आधार श्रद्धा और आस्था है, लेकिन शास्त्रों में बताए गए नियमों का पालन करने से पूजा अधिक व्यवस्थित और परंपरा के अनुरूप मानी जाती है। अलग–अलग क्षेत्रों और परिवारों की परंपराओं में कुछ भिन्नताएं हो सकती हैं। इसलिए विशेष व्रत या अनुष्ठान के अवसर पर स्थानीय परंपरा या विद्वान की सलाह लेना भी उचित माना जाता है।

सम्पादकीय

भूकंप नहीं, हमारी लापरवाही सबसे बड़ा खतरा बनती जा रही

वेनेजुएला में आए विनाशकारी भूकंप ने एक बार फिर साबित कर दिया कि प्रकृति जब करवट लेती है तो इंसान की सारी तकनीक, ताकत और तरक्की कुछ क्षणों के लिए बौनी पड़ जाती है। लेकिन हर भूकंप केवल धरती को नहीं हिलाता, वह सरकारों की तैयारियों, प्रशासनिक दावों और समाज की जागरूकता की भी परीक्षा लेता है। दुख की बात यह है कि इस परीक्षा में दुनिया के अधिकांश देश बार–बार वही पुरानी गलतियां दोहराते दिखाई देते हैं।

पवन गौतम
संपादक

भारत को यह खबर केवल अंतरराष्ट्रीय समाचार समझकर आगे नहीं बढ़ जाना चाहिए। हमारा देश भी भूकंप की दृष्टि से बेहद संवेदनशील है। हिमालयी क्षेत्र से लेकर दिल्ली, उत्तर प्रदेश, बिहार, गुजरात और पूर्वोत्तर के कई इलाके उच्च भूकंपीय जोखिम वाले क्षेत्रों में आते हैं। फिर भी हमारी तैयारी अक्सर फाइलों में ज्यादा और जमीन पर कम दिखाई देती है। हमारे यहां हर बड़ी आपदा के बाद एक परिचित दृश्य देखने को मिलता है–अधिकारियों की बैठकें, राहत की घोषणाएं, जांच समितियां और भविष्य में ऐसी घटना न होने के लंबे–चौड़े वादे। कुछ दिन बाद सब सामान्य हो जाता है, मानो खतरा भी सरकारी नोटिस पढ़कर छुट्टी पर चला गया हो। भवन निर्माण नियमों की अनदेखी, अवैध निर्माण और सुरक्षा मानकों से समझौता ऐसे जारी रहता है जैसे आपदा कभी आएगी ही नहीं। विडंबना यह है कि करोड़ों रुपये की परियोजनाएं बन जाती हैं, लेकिन स्कूलों, अस्पतालों और बहुमंजिला इमारतों में नियमित भूकंप सुरक्षा अभ्यास कराने की फुर्सत नहीं मिलती। मॉक ड्रिल की तस्वीरें जरूर खिंच जाती हैं, पर आम नागरिक को यह तक नहीं पता होता कि तेज झटके आने पर सबसे पहले क्या करना चाहिए।

स्कैन करें
संपादकीय सुनने के लिए मोबाइल से QR कोड को स्कैन करें।

वेनेजुएला की त्रासदी भारत के लिए चेतावनी है कि आपदा आने के बाद राहत बांटना अच्छी बात है, लेकिन उससे पहले तैयारी करना कहीं अधिक बुद्धिमानी है। मजबूत भवन, सख्त नियम, ईमानदार निरीक्षण और जागरूक नागरिक ही सबसे प्रभावी बचाव तंत्र हैं। प्रकृति कभी सूचना देकर नहीं आती, लेकिन लापरवाही हमेशा पहले से मौजूद रहती है। इसलिए सवाल यह नहीं कि अगला भूकंप कब आएगा, बल्कि यह है कि जब धरती हिलेगी, तब हमारी व्यवस्था मजबूत खड़ी मिलेगी या फिर केवल प्रेस विज्ञप्तियां ही मलबे से बाहर निकलेंगी।

नजरिया

परचम फहराती बेटियां, फिर भी नामांकन में क्यों पिछड़ रहीं?

बोध प्रकाश सगुणी

देश में महिलाओं की शिक्षा को लेकर पिछले दो दशकों में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। कभी जिन बेटियों की शिक्षा को परिवारों में प्राथमिकता नहीं दी जाती थी, आज वही बेटियां बोर्ड परीक्षाओं, प्रतियोगी परीक्षाओं, खेल, विज्ञान, चिकित्सा, प्रशासन और उद्यमिता जैसे क्षेत्रों में नए कीर्तिमान स्थापित कर रही हैं। लगभग हर वर्ष माध्यमिक और उच्च माध्यमिक परीक्षाओं के परिणाम यह साबित करते हैं कि छात्राएं न केवल छात्रों के बराबर हैं, बल्कि अनेक मामलों में उनसे बेहतर प्रदर्शन भी कर रही हैं। यह बदलाव समाज की सोच में आए सकारात्मक परिवर्तन और सरकारों द्वारा शिक्षा को बढ़ावा देने के प्रयासों का परिणाम है। लेकिन इस उजले पक्ष के साथ एक ऐसी सच्चाई भी मौजूद है, जो चिंता पैदा करती है। नीति आयोग की शिक्षा संबंधी रिपोर्ट के अनुसार छत्तीसगढ़ में लड़कियों का सकल नामांकन अनुपात (जीईआर) राष्ट्रीय औसत से कम है। यह स्थिति बताती है कि उपलब्धियां जितनी प्रेरणादायक हैं, चुनौतियां भी उतनी ही गंभीर हैं। सकल नामांकन अनुपात किसी भी राज्य की शिक्षा व्यवस्था का महत्वपूर्ण सूचकांक माना जाता है। यह केवल विद्यालय में नाम दर्ज होने का आंकड़ा नहीं, बल्कि इस बात का संकेत भी है कि शिक्षा व्यवस्था बच्चों तक कितनी प्रभावी ढंग से पहुंच रही है। यदि किसी राज्य में लड़कियों का जीईआर राष्ट्रीय औसत से कम है, तो इसका अर्थ है कि बड़ी संख्या में बेटियां या तो विद्यालय तक पहुंच ही नहीं पा रही हैं, या बीच में पढ़ाई छोड़ने को विवश हो रही हैं। यह स्थिति इसलिए अधिक गंभीर है क्योंकि शिक्षा को लेकर सरकारें लगातार नई योजनाएं लागू कर रही हैं और समाज में भी बेटियों की शिक्षा के प्रति पहले की तुलना में अधिक जागरूकता आई है।

छत्तीसगढ़ में बेटियों की शिक्षा को प्रोत्साहित करने के लिए अनेक योजनाएं संचालित हैं। निःशुल्क शिक्षा, पाठ्यपुस्तकों का वितरण, गणवेश, छात्रवृत्ति, मध्याह्न भोजन, साइकिल वितरण, आवासीय छात्रावास और उत्कृष्ट प्रदर्शन पर प्रोत्साहन राशि जैसी सुविधाएं वर्षों से दी जा रही हैं। इन योजनाओं का उद्देश्य आर्थिक कारणों से किसी भी बेटी की पढ़ाई प्रभावित न होने देना है। इसके बावजूद यदि नामांकन अपेक्षित स्तर तक नहीं पहुंच रहा है, तो यह स्पष्ट संकेत है कि समस्या केवल आर्थिक सहायता की नहीं, बल्कि सामाजिक और संरचनात्मक भी है।

राज्य के दूरस्थ ग्रामीण और आदिवासी क्षेत्रों की परिस्थितियां आज भी चुनौतीपूर्ण हैं। अनेक गांवों में प्राथमिक विद्यालय तो उपलब्ध हैं, लेकिन माध्यमिक और उच्च माध्यमिक विद्यालय कई किलोमीटर दूर स्थित हैं। छोटी बच्चियों के लिए प्रतिदिन लंबी दूरी तय करना आसान नहीं होता। कई स्थानों पर सड़क, परिवहन और संचार सुविधाओं की कमी भी पढ़ाई में बाधा बनती है। बरसात के दिनों में यह कठिनाई और बढ़ जाती है। परिणामस्वरूप अनेक अभिभावक सुरक्षा और सुविधा के कारण बेटियों की पढ़ाई आगे जारी नहीं रख पाते।

सामाजिक सोच भी एक महत्वपूर्ण कारण है। यद्यपि समय के साथ बदलाव आया है, फिर भी अनेक परिवारों में बेटों की शिक्षा को प्राथमिकता दी जाती है। आर्थिक संकट आने पर सबसे पहले बेटियों की पढ़ाई प्रभावित होती है। कई परिवारों में किशोरावस्था तक पहुंचते–पहुंचते लड़कियों पर घरेलू जिम्मेदारियां बढ़ जाती हैं। छोटे भाई–बहनों की देखभाल, घर के काम और खेतों में सहयोग जैसी जिम्मेदारियां उनकी नियमित पढ़ाई में बाधा बनती हैं। कुछ स्थानों पर कम उम्र में विवाह की परंपरा भी शिक्षा की निरंतरता को प्रभावित करती है। विद्यालयों की आधारभूत सुविधाओं की स्थिति भी गंभीरता से देखने की आवश्यकता है। किशोरियों के लिए स्वच्छ शौचालय, सुरक्षित परिसर, स्वच्छ पेयजल और मासिक धर्म स्वच्छता संबंधी सुविधाएं अत्यंत आवश्यक हैं। जहां ये सुविधाएं उपलब्ध नहीं होतीं, वहां छात्राओं की उपस्थिति पर सीधा प्रभाव पड़ता है। कई शोध यह बताते हैं कि किशोरावस्था के बाद अनेक छात्राएं केवल इसलिए विद्यालय छोड़ देती हैं क्योंकि वहां आवश्यक सुविधाओं का अभाव होता है। इसलिए भवन निर्माण से अधिक महत्वपूर्ण है कि विद्यालय छात्राओं के लिए सुरक्षित और सम्मानजनक वातावरण उपलब्ध कराएं।

महिला शिक्षकों की पर्याप्त उपलब्धता भी बेटियों की शिक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों में अभिभावक चाहते हैं कि विद्यालय में महिला शिक्षक हों। इससे बच्चियां सहज महसूस करती हैं और अभिभावकों का विश्वास भी बढ़ता है। जहां शिक्षकों की कमी होती है या नियमित पढ़ाई नहीं होती, वहां विद्यालयों के प्रति लोगों का भरोसा कमजोर पड़ने लगता है। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के बिना केवल नामांकन बढ़ाना पर्याप्त नहीं माना जा सकता। यह भी ध्यान रखना होगा कि शिक्षा केवल विद्यालय में प्रवेश दिलाने तक सीमित नहीं है। वास्तविक सफलता तब मानी जाएगी जब छात्राएं नियमित रूप से विद्यालय जाएं, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त करें और बिना पढ़ाई छोड़े उच्च शिक्षा तक पहुंच सकें। इसलिए नामांकन के साथ–साथ ड्रॉपआउट दर, उपस्थिति और सीखने के स्तर पर भी समान रूप से ध्यान देना आवश्यक है। केवल आंकड़ों में सुधार से शिक्षा का उद्देश्य पूरा नहीं होगा। बेटियों की शिक्षा का प्रभाव पूरे समाज पर पड़ता है। एक शिक्षित महिला अपने परिवार को बेहतर स्वास्थ्य, स्वच्छता, पोषण और शिक्षा की दिशा में आगे बढ़ाती है।

वह आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनने के साथ–साथ परिवार के निर्णयों में भी सक्रिय भागीदारी निभाती है। संयुक्त राष्ट्र और विभिन्न राष्ट्रीय संस्थाओं के अध्ययन भी बताते हैं कि महिला शिक्षा में निवेश का प्रतिफल समाज को कई गुना अधिक मिलता है। इसलिए बेटियों की शिक्षा केवल व्यक्तिगत अधिकार नहीं, बल्कि सामाजिक और आर्थिक विकास का सबसे मजबूत आधार है। सरकार की योजनाओं के साथ समाज की भागीदारी भी उतनी ही आवश्यक है। पंचायतों, स्कूल प्रबंधन समितियों, स्वयंसेवी संगठनों, महिला समूहों और स्थानीय समुदाय को यह सुनिश्चित करना होगा कि कोई भी बेटी विद्यालय से बाहर न रहे।

जिन छात्राओं ने किसी कारण पढ़ाई छोड़ दी है, उन्हें दोबारा शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए विशेष अभियान चलाने होंगे। घर–घर संपर्क, अभिभावक बैठकें और सामुदायिक जागरूकता कार्यक्रम इस दिशा में प्रभावी साबित हो सकते हैं।

डिजिटल युग में तकनीक भी शिक्षा की पहुंच बढ़ाने का महत्वपूर्ण माध्यम बन सकती है। ऑनलाइन अध्ययन सामग्री, स्मार्ट कक्षाएं, डिजिटल पुस्तकालय और सामुदायिक इंटरनेट केंद्र दूरस्थ क्षेत्रों के विद्यार्थियों के लिए नई संभावनाएं खोल सकते हैं। हालांकि इसके लिए इंटरनेट, बिजली और डिजिटल उपकरणों की समान उपलब्धता सुनिश्चित करनी होगी, ताकि तकनीक केवल शहरों तक सीमित न रह जाए। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि बेटियों की शिक्षा को केवल सरकारी योजना न समझा जाए, बल्कि सामाजिक आंदोलन बनाया जाए। जिस प्रकार स्वच्छता, टीकाकरण और मतदान को जनभागीदारी के माध्यम से व्यापक सफलता मिली, उसी प्रकार बालिका शिक्षा को भी जन–अभियान का स्वरूप देना होगा। जब समाज स्वयं यह संकल्प लेगा कि उसके क्षेत्र की कोई भी बेटी शिक्षा से वंचित नहीं रहेगी, तभी वास्तविक परिवर्तन दिखाई देगा।

विचार विण्डो

डेनमार्क की अजान बहस और बदलता यूरोप का चेहरा

यूरोप लंबे समय तक उदार लोकतंत्र, धार्मिक स्वतंत्रता, मानवाधिकार और बहुसंस्कृतिवाद का सबसे बड़ा समर्थक माना जाता रहा है। दुनिया के अनेक देशों के लिए यूरोपीय लोकतंत्र एक आदर्श मॉडल के रूप में प्रस्तुत किया गया, जहां अलग–अलग धर्म, भाषाएं और संस्कृतियां समान अधिकारों के साथ सह–अस्तित्व में रह सकती हैं। लेकिन पिछले एक दशक में यूरोप की राजनीति और सामाजिक सोच में उल्लेखनीय परिवर्तन देखने को मिला है। बढ़ते अवैध प्रवासन, सुरक्षा संबंधी चिंताओं, सांस्कृतिक पहचान के सवाल और कट्टरपंथ के डर ने कई यूरोपीय देशों की नीतियों को पहले की तुलना में अधिक सख्त बना दिया है। डेनमार्क में अज़ान को लेकर छिड़ी नई बहस इसी व्यापक परिवर्तन का हिस्सा मानी जा रही है। डेनमार्क की सरकार के कुछ वरिष्ठ नेताओं ने सार्वजनिक स्थानों पर लाउडस्पीकर के माध्यम से दी जाने वाली अज़ान पर राष्ट्रव्यापी प्रतिबंध लगाने की संभावना पर विचार व्यक्त किया है। सरकार का तर्क है कि देश की सांस्कृतिक पहचान और सामाजिक एकीकरण को प्राथमिकता दी जानी चाहिए तथा सार्वजनिक स्थानों पर धार्मिक ध्वनि प्रसारण के नियमों की समीक्षा आवश्यक है। हालांकि अभी इस विषय पर अंतिम कानूनी निर्णय नहीं हुआ है, लेकिन इस बहस ने पूरे यूरोप में धार्मिक स्वतंत्रता और राष्ट्रीय पहचान के बीच संतुलन को लेकर नई चर्चा शुरू कर दी है। डेनमार्क की चिंता केवल धार्मिक गतिविधियों तक सीमित नहीं है। वहां पिछले कुछ वर्षों से आव्रजन नीति लगातार सख्त होती गई है। सरकार का कहना है कि अनियंत्रित प्रवासन सामाजिक ताने–बाने, रोजगार, सुरक्षा और कल्याणकारी योजनाओं पर दबाव बढ़ाता है। इसी सोच के तहत डेनमार्क पहले भी शरणार्थी नीति, नागरिकता नियम और सांस्कृतिक एकीकरण से जुड़े कई कठोर कदम उठा चुका है। अब अज़ान का मुद्दा भी उसी व्यापक नीति का हिस्सा बनकर सामने आया है। हालांकि इस बहस का दूसरा पक्ष भी उतना ही महत्वपूर्ण है। धार्मिक स्वतंत्रता किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था का मूल आधार मानी जाती है। यदि किसी धर्म विशेष की धार्मिक अभिव्यक्ति पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया जाता है, तो यह संवैधानिक अधिकारों और मानवाधिकारों से जुड़े गंभीर प्रश्न खड़े कर सकता है। डेनमार्क का संविधान भी नागरिकों को धार्मिक आस्था का पालन करने की स्वतंत्रता देता है। ऐसे में किसी संभावित प्रतिबंध को अदालतों में चुनौती मिलना स्वाभाविक

माना जा रहा है। यह भी समझना आवश्यक है कि अज़ान केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि करोड़ों मुसलमानों की आस्था का हिस्सा है। दूसरी ओर, सार्वजनिक स्थानों पर ध्वनि प्रदूषण, स्थानीय कानूनों और नागरिक सुविधा का प्रश्न भी लोकतांत्रिक व्यवस्था में समान रूप से महत्वपूर्ण है। इसलिए किसी भी देश के लिए चुनौती यही होती है कि वह धार्मिक अधिकारों और सार्वजनिक व्यवस्था के बीच संतुलित समाधान तलाशे। यूरोप में यह बहस केवल डेनमार्क तक सीमित नहीं है। फ्रांस, नीदरलैंड, ऑस्ट्रिया, स्वीडन और जर्मनी जैसे देशों में भी प्रवासन, सांस्कृतिक पहचान और धार्मिक प्रतीकों को लेकर समय–समय पर विवाद सामने आते रहे हैं। कई देशों ने चेहरे को पूरी तरह ढकने वाले परिधानों, धार्मिक प्रतीकों या सार्वजनिक स्थानों पर कुछ गतिविधियों को लेकर अलग–अलग नियम बनाए हैं। इन निर्णयों के पीछे प्रत्येक देश की अपनी संवैधानिक व्यवस्था, सामाजिक परिस्थितियां और न्यायिक व्याख्याएं होती हैं। इसलिए किसी एक देश की नीति को दूसरे देश के संदर्भ में पूरी तरह समान मानना उचित नहीं होगा। भारत के संदर्भ में भी यह विषय चर्चा का कारण बनता है। यहां सार्वजनिक स्थानों पर धार्मिक आयोजनों, जुलूसों, लाउडस्पीकर और कानून–व्यवस्था को लेकर समय–समय पर प्रशासनिक निर्देश जारी होते रहे हैं। लेकिन भारत का संविधान सभी धर्मों को समान रूप से धार्मिक स्वतंत्रता प्रदान करता है। इसलिए किसी भी प्रशासनिक निर्णय का मूल्यांकन संवैधानिक प्रावधानों और न्यायालयों के निर्देशों के आधार पर ही किया जाना चाहिए, न कि केवल राजनीतिक दृष्टिकोण से। डेनमार्क की बहस हमें यह भी सोचने पर मजबूर करती है कि वैश्विक राजनीति किस दिशा में बढ़ रही है। जिस यूरोप ने कभी खुले समाज और बहुसांस्कृतिक व्यवस्था को अपनी सबसे बड़ी ताकत बताया था, वहीं आज राष्ट्रीय पहचान, सीमाओं की सुरक्षा और सांस्कृतिक संरक्षण को अधिक महत्व देता दिखाई दे रहा है। यह परिवर्तन केवल राजनीतिक नहीं बल्कि सामाजिक और मनोवैज्ञानिक भी है। आर्थिक चुनौतियां, आतंकवाद की घटनाएं, जनसंख्या का बदलता स्वरूप और वैश्विक अस्थिरता ने मतदाताओं की प्राथमिकताओं को प्रभावित किया है। इसके बावजूद लोकतंत्र की असली परीक्षा यही होती है कि वह असहमति, विविधता और अलग–अलग धार्मिक मान्यताओं के साथ भी संतुलन बनाए रख सके। यदि सुरक्षा के नाम पर व्यक्तिगत स्वतंत्रता अत्यधिक सीमित हो जाए या धार्मिक स्वतंत्रता के नाम पर सार्वजनिक व्यवस्था प्रभावित होने लगे, तो दोनों ही स्थितियां लोकतांत्रिक मूल्यों के लिए चुनौती बन सकती हैं। डेनमार्क में अज़ान को लेकर चल रही बहस का अंतिम परिणाम चाहे जो भी हो, इसने एक महत्वपूर्ण प्रश्न अवश्य खड़ा कर दिया है–क्या आधुनिक लोकतंत्र अपनी सांस्कृतिक पहचान को सुरक्षित रखते हुए धार्मिक स्वतंत्रता की भावना को भी समान रूप से संरक्षित रख पाएंगे? आने वाले समय में इसका उत्तर केवल डेनमार्क ही नहीं, बल्कि पूरा यूरोप और दुनिया के अन्य लोकतांत्रिक देश भी अपने–अपने संवैधानिक ढांचे और सामाजिक अनुभवों के आधार पर तलाशेंगे।

लोकतंत्र की शक्ति किसी एक विचार की विजय में नहीं, बल्कि विभिन्न विचारों के बीच संतुलन स्थापित करने में होती है। यही संतुलन भविष्य की सबसे बड़ी कसौटी भी होगा।

भारत के पिछले कप्तानों पर एक नजर

श्रेयस बने भारत के नए टी-20 कप्तान

यूनिक समय, नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के लिए 26 जून का दिन खास माना जा रहा है। आयरलैंड के खिलाफ टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में श्रेयस अय्यर पहली बार टीम इंडिया की कप्तानी करते नजर आएंगे। टॉस के लिए मैदान पर उतरते ही वह टी20 इंटरनेशनल में भारत के 15वें कप्तान बन जाएंगे। हाल ही में भारत ने सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में टी20 विश्व कप 2026 का खिताब जीता था, लेकिन इसके बाद टीम प्रबंधन ने बड़ा फैसला लेते हुए कप्तानी की जिम्मेदारी श्रेयस अय्यर को सौंप दी। टी20 अंतरराष्ट्रीय में भारत के पहले कप्तान वीरेंद्र सहवाग थे। उन्होंने केवल एक मुकाबले में कप्तानी की और टीम को जीत दिलाई। इसके बाद महेंद्र सिंह धोनी ने लंबे समय

तक टीम की कमान संभाली। धोनी ने 70 मैचों में कप्तानी करते हुए 42 मुकाबले जीते और भारत को टी20 क्रिकेट में नई पहचान दिलाई। धोनी के बाद विराट कोहली ने 48 मैचों में कप्तानी की और 32 जीत दर्ज की। वहीं रोहित शर्मा ने 62 मुकाबलों में टीम का नेतृत्व करते हुए 50 मैचों में जीत दिलाई। इनके अलावा सुरेश रैना, अजिंक्य रहाणे, शिखर धवन, ऋषभ पंत, केएल राहुल, जसप्रीत बुमराह, रुतुराज गायकवाड़, हार्दिक पांडया और शुभमन गिल भी अलग-अलग मौकों पर टीम इंडिया की कप्तानी कर चुके हैं। सूर्यकुमार यादव ने 50 टी20 मैचों में कप्तानी करते

भारत के टी20 कप्तानों की पूरी कहानी

हुए 42 मुकाबलों में जीत दर्ज की और उनकी अगुवाई में भारत ने टी20 विश्व कप 2026 का खिताब भी अपने नाम किया। इसके बावजूद टीम में बदलाव के तहत अब कप्तानी की जिम्मेदारी श्रेयस अय्यर को दी गई है। श्रेयस अय्यर के सामने अब सबसे बड़ी चुनौती भारत की जीत की लय को बरकरार रखने की होगी। क्रिकेट प्रशंसकों की नजरें इस बात पर टिकी रहेंगी कि नए कप्तान के रूप में वह टीम को किस तरह आगे बढ़ाते हैं और अपने नेतृत्व से भारतीय क्रिकेट को नई ऊंचाइयों तक पहुंचा पाते हैं या नहीं।

अब कहां है केबीसी का पहला करोड़पति हर्षवर्धन

यूनिक समय, नई दिल्ली। साल 2000 में अमिताभ बच्चन के लोकप्रिय क्विज शो 'कौन बनेगा करोड़पति' (केबीसी) के पहले सीजन में हर्षवर्धन नवाथे ने एक करोड़ रुपये जीतकर इतिहास रच दिया था। उस दौर में वह देशभर में चर्चा का विषय बन गए थे और रातोंरात लाखों लोगों के प्रेरणास्त्रोत बन गए। हर्षवर्धन उस समय सिविल सर्विस की तैयारी कर रहे थे। केबीसी जीतने के बाद उनकी जिंदगी पूरी तरह बदल गई। उन्होंने आगे की पढ़ाई विदेश से की और बाद में कॉर्पोरेट सेक्टर में अपनी पहचान बनाई। वर्तमान में वह एक बहुराष्ट्रीय कंपनी में वरिष्ठ पद पर कार्यरत हैं और सार्वजनिक जीवन से काफी दूर रहते हैं। हालांकि वह मनोरंजन जगत से दूर हैं, लेकिन समय-समय पर केबीसी और अपनी सफलता के अनुभव साझा करते रहते हैं। हर्षवर्धन का मानना है कि ज्ञान, आत्मविश्वास और सही निर्णय लेने की क्षमता ही उन्हें इस मुकाम तक लेकर गई। आज भी उन्हें केबीसी के पहले करोड़पति के रूप में याद किया जाता है और उनकी सफलता की कहानी नए प्रतिभागियों के लिए प्रेरणा बनी हुई है।

ऑस्कर विजेता रहमान को मिला नया वैश्विक सम्मान

यूनिक समय, नई दिल्ली। दुनिया भर में अपनी मधुर धुनों से पहचान बनाने वाले संगीतकार और गायक एआर रहमान को अमेरिकन एकेडमी ऑफ अचीवमेंट ने प्रतिष्ठित गोल्डन प्लेट अवॉर्ड से सम्मानित किया है। यह सम्मान उन्हें वैश्विक संगीत जगत में उनके उत्कृष्ट योगदान और लंबे समय से किए जा रहे प्रभावशाली कार्य के लिए दिया गया। ऑस्कर जीत चुके रहमान ने इस उपलब्धि पर खुशी जताते हुए इसे अपने लिए बेहद सम्मानजनक पल बताया। रहमान ने सोशल मीडिया पर समारोह की तस्वीर साझा करते हुए लिखा कि वह यह सम्मान पाकर खुद को गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं। अमेरिकन एकेडमी ऑफ अचीवमेंट विभिन्न क्षेत्रों में असाधारण उपलब्धियां हासिल करने वाले व्यक्तित्वों को सम्मानित करती है और युवा पीढ़ी को उनसे प्रेरणा लेने का अवसर प्रदान करती है। इस बीच एआर रहमान ने महान गायिका आशा भोसले को समर्पित एक विशेष ट्रिब्यूट सॉन्ग का टीजर भी जारी किया है। इस प्रोजेक्ट में अलग-अलग संगीतकार और कलाकार आशा भोसले की यादगार संगीत यात्रा को श्रद्धांजलि देते नजर आएंगे। टीजर में रिकॉर्डिंग के दौरान के भावुक और खास पल भी दिखाए गए हैं। रहमान ने बताया कि यह ट्रिब्यूट उस समय तैयार होना शुरू हुआ था, जब आशा भोसले उनके बीच मौजूद थीं। उन्होंने उम्मीद जताई कि यह गीत उनकी महान संगीत विरासत को नई पीढ़ी तक पहुंचाएगा। इस खास प्रस्तुति में रहमान ने खुद भी अपनी आवाज दी है। उनका मानना है कि आशा भोसले की सुरीली आवाज आने वाली पीढ़ियों के लिए हमेशा प्रेरणा का स्त्रोत बनी रहेगी।

सुशांत केस के जख्म आज भी नहीं भूलीं रिया

यूनिक समय, नई दिल्ली। दिवंगत अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की मौत के बाद सामने आए चर्चित मामले ने अभिनेत्री रिया चक्रवर्ती और उनके परिवार की जिंदगी पूरी तरह बदल दी थी। अब वर्षों बाद रिया ने उस दौर को दर्द,क'२ मानसिक तनाव और उससे उबरने की कोशिशों पर खुलकर बात की है। नेहा धूपिया और अंगद बेदी के चैट शो 'डबल डेट' में रिया और उनके भाई शोविक चक्रवर्ती ने उन मुश्किल दिनों को याद करते हुए कई भावुक बातें साझा कीं। रिया ने कहा कि उनके जीवन का वह दौर बेहद कठिन था और उससे पूरी तरह बाहर निकल पाना आज भी संभव नहीं हो पाया है। उन्होंने बताया कि किसी भी इंसान के लिए ऐसी परिस्थितियों का

सामना करना आसान नहीं होता, खासकर तब जब पूरी दुनिया की नजरें लगातार उस पर टिकी हों। उनके मुताबिक, निजी संघर्ष और सार्वजनिक जांच एक साथ झेलना बेहद चुनौतीपूर्ण अनुभव था। वहीं, शोविक चक्रवर्ती ने बताया कि इस पूरे घटनाक्रम का उनके करियर पर भी गहरा असर पड़ा। उन्होंने कहा कि पहले उनका सपना प्रतिष्ठित प्रबंधन संस्थानों में पढ़ाई कर आगे बढ़ने का था, लेकिन अचानक सब कुछ बदल गया। उन्होंने स्वीकार किया कि जिंदगी ने ऐसा मोड़ लिया, जिसकी उन्होंने कभी कल्पना भी नहीं की थी। शोविक ने यह भी खुलासा किया कि वह आज भी पोस्ट ट्रॉमेटिक स्ट्रेस डिसऑर्डर से जूझ रहे हैं। उन्होंने कहा कि कई बार अचानक डोरबेल बजने की आवाज सुनते ही उन्हें पुराने दिनों की याद आ जाती है। उस समय हर दस्तक उन्हें डर और अनिश्चितता का एहसास कराती थी। उनका कहना था कि मानसिक आघात के निशान समय के साथ हल्के जरूर होते हैं, लेकिन पूरी तरह मिट नहीं पाते। रिया ने बताया कि थेरेपी, परिवार का साथ और समय ने उन्हें संभलने में काफी मदद की। उन्होंने माना कि जीवन धीरे-धीरे सामान्य हो रहा है, लेकिन कुछ अनुभव ऐसे होते हैं जो हमेशा व्यक्ति के भीतर मौजूद रहते हैं। उन्होंने कहा कि वह अब पहले से ज्यादा मजबूत महसूस करती हैं, लेकिन उस दौर की यादें आज भी उन्हें भावुक कर देती हैं। गौरतलब है कि वर्ष 2020 में सुशांत सिंह राजपूत की मौत के बाद ड्रग्स मामले की जांच के दौरान नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) ने रिया चक्रवर्ती और उनके भाई शोविक से पूछताछ की थी और दोनों को गिरफ्तार भी किया गया था। इस पूरे मामले ने देशभर में व्यापक चर्चा बटोरी थी। अब कई साल बाद रिया ने पहली बार खुलकर बताया है

फौजी बने अजय देवगन की चौहान का टीजर आउट

यूनिक समय, नई दिल्ली। मनोरंजन और खेल जगत में शुक्रवार का दिन कई बड़ी खबरों के नाम रहा। एक ओर अभिनेता अजय देवगन अपनी नई फिल्म 'चौहान' के दमदार टीजर को लेकर चर्चा में रहे, वहीं भारतीय क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज आकाशदीप सिंह ने शादी के बंधन में बंधकर अपने जीवन की नई पारी शुरू की। दोनों खबरों ने सोशल मीडिया पर खूब सुर्खियां बटोरीं। अजय देवगन की आगामी फिल्म 'चौहान' का टीजर रिलीज होते ही दर्शकों के बीच उत्साह देखने को मिला। फिल्म में अजय एक बहादुर सैनिक की भूमिका निभा रहे हैं, जिसका अंदाज दमदार एक्शन और देशभक्ति से भरपूर नजर आया। टीजर में शानदार विजुअल्स, दमदार बैकग्राउंड म्यूजिक और प्रभावशाली संवादों ने दर्शकों की उत्सुकता बढ़ा दी है। फिल्म के निर्देशक ने इसे बड़े स्तर पर तैयार किया है और जल्द ही इसकी रिलीज डेट का भी ऐलान किया जाएगा। उधर, भारतीय क्रिकेटर आकाशदीप सिंह ने अक्षिता राज के साथ सात फेरे लेकर नई जिंदगी की शुरुआत की। शादी समारोह में

क्रिकेटर आकाशदीप को पवन सिंह ने दिया आशीर्वाद

परिवार, करीबी दोस्तों और कई खास मेहमानों ने शिरकत की। भोजपुरी अभिनेता और गायक पवन सिंह ने भी नवविवाहित जोड़े को शुभकामनाएं देते हुए सुखद वैवाहिक जीवन का आशीर्वा दिया। शादी की तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहे हैं। इसी बीच मल्टीस्टारर फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' भी चर्चा में रही। फिल्म के इंटरवल के दौरान दिखाए गए खास सरप्राइज सॉन्ग और अनोखे सिनेमाई प्रयोग को दर्शकों ने खूब पसंद किया। इसके अलावा अभिनेता विंदू दारा सिंह ने भी अपनी निजी जिंदगी से जुड़े अनुभव साझा कर सुर्खियां बटोरीं। फिल्मी दुनिया के बड़े ऐलान और क्रिकेटर की नई पारी ने दिनभर मनोरंजन जगत में हलचल बनाए रखी, जबकि प्रशंसकों ने दोनों सितारों को सोशल मीडिया पर जमकर बधाइयां और शुभकामनाएं दीं।

पहले छक्कों की बारिश, फिर विकेटों की आंधी

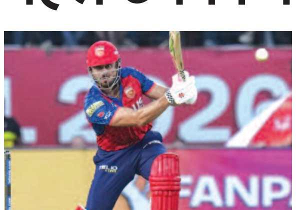

अमेरिकी टी20 लीग में आया स्टोइनिस का तूफान

यूनिक समय, नई दिल्ली। अमेरिका में खेली जा रही मेजर लीग क्रिकेट (एमएलसी) में सिएटल ऑर्कास ने वॉशिंगटन फ्रीडम को एकतरफा मुकाबले में 88 रन से हराकर शानदार जीत दर्ज की। इस मुकाबले में ऑलराउंडर मार्कस स्टोइनिस ने विस्फोटक बल्लेबाजी से सुर्खियां बटोरी, जबकि 33 वर्षीय तेज गेंदबाज जसदीप सिंह ने पांच विकेट लेकर विपक्षी बल्लेबाजी की कमर तोड़ दी। टॉस हारने के बाद पहले बल्लेबाजी करते हुए सिएटल ऑर्कास ने 20 ओवर में 6 विकेट के नुकसान पर 227 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। टीम को टिम सीफर्ट और मैथ्यू ब्रिट्ज्के ने तेज शुरुआत दिलाई, लेकिन असली धमाका शिमरन हेटमायर और मार्कस स्टोइनिस ने किया। हेटमायर ने 33 गेंदों पर नाबाद 79 रन बनाए, जिसमें 2 चौके और 9 छक्के शामिल रहे। स्टोइनिस ने केवल 16 गेंदों में 42 रन की तूफानी पारी खेली। उन्होंने 6 छक्के जड़े, जिनमें से लगातार एक ओवर में 5 छक्के लगाने का कारनामा भी शामिल रहा। उनकी विस्फोटक बल्लेबाजी ने सिएटल को मजबूत स्कोर तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई। 228 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी वॉशिंगटन फ्रीडम की शुरुआत बेहद खराब रही। टीम नियमित अंतराल पर विकेट गंवाती रही और 16.2 ओवर में 139 रन पर सिमट गई। सिएटल के तेज गेंदबाज जसदीप सिंह ने घातक गेंदबाजी करते हुए 4 ओवर में 24 रन देकर 5 विकेट झटके। उनके इस शानदार प्रदर्शन ने मैच का रुख पूरी तरह बदल दिया। जसदीप सिंह मेजर लीग क्रिकेट के इतिहास में पांच विकेट लेने वाले चुनिंदा गेंदबाजों में शामिल हो गए हैं। वहीं कैमरून ग्रीन ने भी दो विकेट लेकर जीत में अहम योगदान दिया। इस शानदार जीत के साथ सिएटल ऑर्कास ने अंक तालिका में दो जीत और चार अंकों के साथ दूसरा स्थान हासिल कर लिया, जबकि स्टोइनिस और जसदीप का प्रदर्शन पूरे मैच का सबसे बड़ा आकर्षण रहा।

जर्मनी को हराकर इक्काडोर ने रचा इतिहास

यूनिक समय, नई दिल्ली। फीफा वर्ल्ड कप 2026 में ग्रुप-ई के मुकाबलों ने बड़ा उलटफेर देखने को मिला। चार बार की चैंपियन जर्मनी को इक्काडोर ने 2-1 से हराकर नॉकआउट चरण में जगह बना ली। वहीं आइवरी कोस्ट ने कुराकाओ को 2-0 से मात देकर पहली बार विश्व कप के नॉकआउट दौर के लिए क्वालीफाई किया। मुकाबले की शुरुआत जर्मनी के लिए शानदार रही। दूसरे ही मिनट में लेरॉय साने ने गोल कर टीम को बढ़त दिला दी। हालांकि इक्काडोर ने तेजी से वापसी करते हुए नौवें मिनट में निल्सन अंगुलो के गोल की बदौलत स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया। पहले हाफ तक दोनों टीमें बराबरी पर रहीं। दूसरे हाफ में इक्काडोर ने आक्रामक खेल जारी रखा। 77वें मिनट में गोंजालो प्लाटा ने निर्णायक गोल दागकर टीम को 2-1

की बढ़त दिलाई। जर्मनी ने बराबरी की पूरी कोशिश की, लेकिन इक्काडोर की मजबूत रक्षा पंक्ति के सामने उसके सभी प्रयास नाकाम रहे। इस जीत के साथ इक्काडोर ने अंतिम-32 में प्रवेश कर लिया, जबकि जर्मनी को टूर्नामेंट में पहली हार का सामना करना पड़ा। ग्रुप के दूसरे मुकाबले में आइवरी कोस्ट ने कुराकाओ पर शुरू से दबाव बनाए रखा। सातवें मिनट में निकोलस पेपे ने पहला गोल किया और 64वें मिनट में दूसरा गोल दागकर टीम की 2-0 की जीत सुनिश्चित कर दी। इस जीत के साथ आइवरी कोस्ट ने इतिहास रचते हुए पहली बार फीफा विश्व कप के नॉकआउट चरण में जगह बनाई, जबकि कुराकाओ का अभियान यहीं समाप्त हो गया।

अयोध्या राम मंदिर चढ़ावा घोटाले पर ताबड़तोड़ कार्रवाई

चंपत राय के ड्राइवर टिन्नू समेत आठ आरोपी गिरफ्तार

चंपत राय और ट्रस्टी अनिल मिश्रा का इस्तीफा

यूनिक समय, अयोध्या। अयोध्या स्थित श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में चढ़ावा चोरी मामले ने बड़ा मोड़ ले लिया है। मामले में श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय और ट्रस्टी डॉ. अनिल मिश्रा ने अपने पदों से इस्तीफा दे दिया है। सूत्रों के अनुसार, मंदिर निर्माण व्यवस्था से जुड़े प्रभारी गोपाल राव को भी जिम्मेदारियों से अलग कर दिया गया है। बताया जा रहा है कि ट्रस्ट के पुनर्गठन की प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है।

चढ़ावा चोरी का मामला सामने आने के बाद उत्तर प्रदेश सरकार ने विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया था। एसआईटी ने 23 जून को अपनी प्रारंभिक रिपोर्ट सरकार को सौंपी, जिसके आधार पर 25 जून को ट्रस्ट सदस्य कृष्ण मोहन की शिकायत पर एफआईआर दर्ज की गई।

इसके बाद रामशंकर यादव उर्फ टिन्नू, लवकुश मिश्रा, अनुकल्प मिश्रा, मनीष यादव, अविनाश शुक्ला,

करुणेश पांडेय, सुभाष चंद्र श्रीवास्तव और रमाशंकर मिश्रा सहित आठ आरोपियों को गिरफ्तार कर अदालत में पेश किया गया।

जांच में आरोप है कि मंदिर के दानपात्रों से प्राप्त चढ़ावे की राशि की गिनती के दौरान कर्मचारियों ने सुनियोजित तरीके से धन का गबन किया। एफआईआर में कहा गया है कि एसआईटी को इस संबंध में पर्याप्त प्रारंभिक साक्ष्य मिले हैं। हालांकि एफआईआर में चंपत राय और डॉ. अनिल मिश्रा के नाम शामिल नहीं हैं।

सूत्रों के अनुसार, ट्रस्ट के पुनर्गठन के तहत सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी या सेवानिवृत्त न्यायाधीश को मुख्य कार्यकारी अधिकारी नियुक्त किए जाने पर विचार किया जा रहा है।

राम मंदिर ट्रस्ट में बदलाव शुरू

इस संबंध में अंतिम निर्णय केंद्र सरकार, उत्तर प्रदेश सरकार और संबंधित शीर्ष स्तर पर सहमति बनने के बाद लिया जाएगा।

मामले पर राजनीतिक प्रतिक्रियाएं भी सामने आई हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आस्था के साथ किसी भी प्रकार का खिलवाड़ स्वीकार नहीं किया जाएगा और दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई होगी। वहीं कांग्रेस ने इस मुद्दे को संसद के मानसून सत्र में उठाने की घोषणा की है। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने निष्पक्ष जांच और दोषियों को कड़ी सजा देने की मांग की, जबकि शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने भी मामले में जवाबदेही तय करने की आवश्यकता बताई। पूरे घटनाक्रम पर देशभर के श्रद्धालुओं की नजर बनी हुई है।

जांच में सीसीटीवी से बड़े खुलासे सामने आए

एसआईटी की लीक रिपोर्ट में बड़ा खुलासा

सीसीटीवी फुटेज में कई संदिग्ध गतिविधियां मिलीं

यूनिक समय, अयोध्या। राम मंदिर चढ़ावा गबन मामले की जांच में नए खुलासे सामने आए हैं। सूत्रों के अनुसार, विशेष जांच दल (एसआईटी) की प्रारंभिक रिपोर्ट में सीसीटीवी फुटेज, आंतरिक ऑडिट और नकदी प्रबंधन से जुड़ी कई गंभीर अनियमितताओं का उल्लेख किया गया है। रिपोर्ट सामने आने के बाद मामले में जांच और तेज कर दी गई है।

सूत्रों के मुताबिक, एसआईटी ने वित्तीय वर्ष 2022–23, 2023–24 और 2024–25 की आंतरिक ऑडिट रिपोर्ट का परीक्षण किया। जांच में दानपात्रों (हुंडियों) की संख्या और अभिलेखों में अंतर मिलने के साथ नकदी गिनती और प्रबंधन व्यवस्था में कई प्रक्रियागत कमियां सामने आईं।

बताया गया है कि जांच टीम ने 27 अप्रैल से 5 जून तक उपलब्ध सीसीटीवी फुटेज का विश्लेषण किया। रिपोर्ट के अनुसार, एक आरोपी के करीबी रिश्तेदार को कई बार संदिग्ध गतिविधियों में देखा गया, लेकिन उसके विरुद्ध समय रहते कोई कार्रवाई नहीं की गई। यह भी दावा है कि उसी की सिफारिश पर उसे मंदिर में काम मिला था।

सूत्रों के अनुसार, एसआईटी की जांच में सुरक्षा व्यवस्था और निगरानी प्रणाली में भी गंभीर खामियां सामने आई हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि सुरक्षा प्रोटोकॉल का प्रभावी पालन नहीं हुआ। मामले में पहले ही आठ आरोपियों के विरुद्ध एफआईआर दर्ज की जा चुकी है और उनकी गिरफ्तारी भी हो चुकी है।

जांच से जुड़े सूत्रों का यह भी दावा है कि कई अधिकारियों की भूमिका की समीक्षा की जा रही है। हालांकि एसआईटी की अंतिम रिपोर्ट और आधिकारिक निष्कर्ष अभी सार्वजनिक नहीं किए गए हैं। प्रशासन का कहना है कि जांच पूरी होने के बाद दोषियों के खिलाफ कानून के अनुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी।

नामी ब्रांड की आड़ में नकली घी का बड़ा खेल

दस साल से चल रहा था धंधा

120 किलो नकली घी किया बरामद

यूनिक समय, आगरा। आगरा में नामी ब्रांड के नाम पर नकली देशी घी बेचने वाले गिरोह का भंडाफोड़ हुआ है। कंपनी के अधिकृत प्रतिनिधि की शिकायत पर पुलिस और खाद्य सुरक्षा विभाग ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए एक गोदाम पर छापा मारा। यहां से मधुसूदन और पारस ब्रांड की पैकिंग में भरा 120 किलो संदिग्ध घी बरामद किया गया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ कॉपीराइट एक्ट सहित विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार, क्रीमी फूड लिमिटेड और वीआरएस फूड लिमिटेड को लंबे समय से उनके ब्रांड नाम से नकली घी बिकने की शिकायतें मिल रही थीं। सूचना के आधार पर हाथरस रोड स्थित टेढ़ी बगिया क्षेत्र में दुकान और गोदाम पर छापा मारा गया। मौके से मधुसूदन और पारस ब्रांड के चार–चार टीन, प्रत्येक 15 किलो वजन के, बरामद हुए।

प्राथमिक जांच में पैकिंग और टीन असली ब्रांड की हूबहू नकल पाए गए। खाद्य सुरक्षा विभाग ने घी के नमूने जांच के लिए सुरक्षित कर लिए, जबकि शेष माल सील कर पुलिस ने कब्जे में ले लिया।

पूछताछ में आरोपी वीरेंद्र सिंह ने कथित तौर पर स्वीकार किया कि वह करीब दस वर्षों से वनस्पति घी और एसेंस मिलाकर नकली घी तैयार कर नामी कंपनियों की पैकिंग में बाजार में बेच रहा था। पुलिस अब इस पूरे सप्लाई नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की तलाश में जुटी है।

टोल प्लाजा पर गैस टैंकर फटा चालक जिंदा जला, मचा हड़कंप

यूनिक समय, कौशांबी। उत्तर प्रदेश के कौशांबी जिले में शुक्रवार सुबह सिहोरी टोल प्लाजा पर एलपीजी गैस टैंकर के दुर्घटनाग्रस्त होने से भीषण आग लग गई। कानपुर से प्रतापगढ़ जा रहा टैंकर अनियंत्रित होकर टोल प्लाजा से टकराया, जिसके बाद गैस रिसाव हुआ और तेज धमाके के साथ आग भड़क उठी। हादसे में चालक की जिंदा जलकर मौत हो गई। आग बुझने के बाद टैंकर से केवल उसकी हडिडयों के अवशेष बरामद हुए। भीषण आग की चपेट में आने से टोल प्लाजा पर तैनात पांच कर्मचारी गंभीर रूप से झुलस गए। सभी को प्राथमिक उपचार के बाद प्रयागराज के एसआरएन अस्पताल रेफर किया गया, जहां उनकी हालत गंभीर बनी हुई है। आग ने टोल

परिसर के यार्ड में खड़ी 16 मोटरसाइकिलों और दो कारों को भी राख कर दिया। फायर ब्रिगेड ने करीब आधे

16 बाइकें, दो कारें जलकर पूरी राख

सिहोरी टोल पर भीषण विस्फोट, पांच कर्मचारी झुलसे

घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।

हादसे के दौरान टोल प्लाजा के दोनों ओर लंबा जाम लग गया और दूर–दूर तक धुएं का गुबार दिखाई देता रहा। पुलिस और तकनीकी टीम दुर्घटना के कारणों की जांच में जुटी है। शुरुआती जांच में तेज रफ्तार और गैस रिसाव को हादसे की मुख्य वजह माना जा रहा है।

पंचायत चुनाव टालने पर हाईकोर्ट ने सरकार को घेरा

यूनिक समय, प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने उत्तर प्रदेश में पंचायत चुनाव टालने और ग्राम प्रधानों को प्रशासक बनाए जाने पर राज्य सरकार से कड़ी नाराजगी जताई है। न्यायमूर्ति सिद्धार्थ नंदन की एकल पीठ ने कहा कि ग्राम प्रधानों को प्रशासक नियुक्त करना पहले दिए गए न्यायालय के आदेशों के विपरीत है और यह अवमानना की श्रेणी में आ सकता है। अदालत ने स्पष्ट किया कि पंचायतों का कार्यकाल समाप्त होने के बाद इस व्यवस्था को जारी नहीं रखा जा सकता। कोर्ट ने सरकार से ओबीसी आरक्षण आयोग की रिपोर्ट, पंचायत चुनाव की समयसीमा और पूरे मामले पर विस्तृत हलफनामा दाखिल करने का निर्देश

दिया है। साथ ही चेतावनी दी कि यदि अगली सुनवाई तक संतोषजनक जवाब नहीं मिला तो संबंधित अधिकारियों को व्यक्तिगत रूप से अदालत में उपस्थित होना पड़ सकता है। मामले की अगली सुनवाई 13 जुलाई को होगी। सुनवाई के दौरान राज्य निर्वाचन आयोग ने अदालत को बताया कि मतदाता सूची पहले ही प्रकाशित की जा चुकी है और आयोग

प्रधानों को प्रशासक बनाने पर कड़ी आपत्ति जताई

सरकार से मांगी चुनाव की स्पष्ट समयसीमा और रिपोर्ट

चुनाव कराने के लिए पूरी तरह तैयार है। आयोग के अनुसार, राज्य सरकार से आवश्यक प्रशासनिक व्यवस्थाएं नहीं मिलने के कारण चुनाव प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ सकी। इस मामले ने पंचायत चुनाव में हो रही देरी और प्रशासनिक निर्णयों पर नए सवाल खड़े कर दिए हैं।

यमुना एक्सप्रेसवे पर दर्दनाक हादसा, दो युवकों की मौत

यूनिक समय, आगरा। आगरा में यमुना एक्सप्रेसवे पर शुक्रवार को हुए भीषण सड़क हादसे में बाइक सवार दो युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। दोनों नोएडा से फिरोजाबाद लौट रहे थे। हादसा खंदौली थाना क्षेत्र में एक्सप्रेसवे के 155 वें किलोमीटर पर हुआ, जहां तेज रफ्तार बाइक अचानक अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई। पुलिस के अनुसार, मृतकों की पहचान फिरोजाबाद के कृष्णा नगर निवासी दीपक और अलीगढ़ के हसराबाद निवासी राजा के रूप में हुई है। दीपक नोएडा के सेक्टर–59 स्थित एक एक्सपोर्ट कंपनी में हेल्पर के रूप में कार्यरत था, जबकि राजा उसका रिश्तेदार और कक्षा 10 का छात्र था। दोनों शुक्रवार को बाइक से अपने घर लौट रहे थे। प्रत्यक्षदर्शियों के

नोएडा से लौटते समय हादसा हुआ

डिवाइडर से टकराई तेज रफ्तार बाइक

अनुसार, टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बाइक और दोनों युवक करीब 20 मीटर तक सड़क पर घिसटते चले गए। गंभीर चोटों के कारण दोनों ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया। सूचना मिलते ही खंदौली थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। हादसे की खबर मिलते ही परिजन घटनास्थल पर पहुंच गए, जिससे परिवार में मातम छा गया। पुलिस दुर्घटना के कारणों की जांच कर रही है।

मुंडका फैक्ट्री हादसे में तीन मजदूरों की दर्दनाक मौत

यूनिक समय, नई दिल्ली। बाहरी दिल्ली के मुंडका औद्योगिक क्षेत्र स्थित एक फैक्टरी में शुक्रवार को बड़ा हादसा हो गया। सेप्टिक टैंक की सफाई के दौरान जहरीली गैस की चपेट में आने से तीन मजदूरों की मौत हो गई। घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई और पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

दिल्ली फायर सर्विस के अनुसार, दोपहर 12:03 बजे सूचना मिली कि एक फैक्टरी के सेप्टिक टैंक में कुछ लोग फंस गए हैं। सूचना मिलते ही दमकल और पुलिस की टीम मौके पर पहुंची तथा राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया गया। मृतकों की पहचान अरुण (38), संदीप (32) और चांद (42) के रूप में हुई है। तीनों

सेप्टिक टैंक में फैली जहरीली गैस

पुलिस ने शुरू की जांच

सुल्तानपुरी के निवासी थे। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि टैंक के भीतर जहरीली गैस भरने से वे बेहोश हो गए और उनकी मौत हो गई।

पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है तथा फैक्टरी प्रबंधन की लापरवाही सहित सभी पहलुओं की जांच की जा रही है। अधिकारियों का कहना है कि जांच रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

ऑपरेशन सिंदूर के छह शहीदों के नाम सार्वजनिक हुए

यूनिक समय, नई दिल्ली। ऑपरेशन सिंदूर में सर्वोच्च बलिदान देने वाले छह शहीद जवानों के नाम पहली बार आधिकारिक रूप से सार्वजनिक किए गए हैं। सरकार ने इन वीर सैनिकों के नाम राष्ट्रीय समर स्मारक की आधिकारिक सूची में शामिल किए हैं। इनमें राइफलमैन सुनील कुमार को मरणोपरांत वीर चक्र और सार्जेंट सुरेंद्र कुमार को मरणोपरांत वायु पदक से सम्मानित किया गया है।

शहीदों में सूबेदार मेजर पवन कुमार, राइफलमैन सुनील कुमार, लांस नायक दिनेश कुमार, अग्निवीर मूल मुरली नायक, हवलदार सुनील कुमार सिंह और सार्जेंट सुरेंद्र कुमार शामिल हैं। सभी ने अलग-अलग मोर्चों पर देश

दो वीरों को मरणोपरांत सम्मान

राष्ट्रीय समर स्मारक पर अंकित नाम

की रक्षा करते हुए अदम्य साहस का परिचय दिया। सरकार ने बताया कि इन सभी वीरों के नाम राष्ट्रीय समर स्मारक के 'त्याग चक्र' में विशेष ईंटों पर अंकित किए जाएंगे। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय सेना ने आतंकवादी ठिकानों पर प्रभावी कार्रवाई करते हुए कई अहम सैन्य लक्ष्य ध्वस्त किए थे। शहीद जवानों के सम्मान में पूरे देश ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की है।

अगरतला अपार्टमेंट धमाके से दहला इलाका, कई लोग घायल

पहली मंजिल पर हुआ जोरदार विस्फोट

धमाके की वजह तलाश रही जांच

यूनिक समय, नई दिल्ली। त्रिपुरा की राजधानी अगरतला के संकट चौमुहानी स्थित एनएस अपार्टमेंट में गुरुवार देर रात हुए जोरदार धमाके से पूरे इलाके में अफरा-तफरी मच गई। विस्फोट में कई लोग घायल हो गए, जबकि इमारत की खिड़कियां चकनाचूर हो गईं और दीवारों को भी नुकसान पहुंचा। धमाके की आवाज दूर-दूर तक सुनाई दी।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस, फायर सर्विस, बम निरोधक दस्ता, फॉरेंसिक टीम और डॉग स्क्वाड मौके पर पहुंच गए। प्रारंभिक जांच में पता चला कि धमाका अपार्टमेंट की पहली मंजिल पर स्थित एक फ्लैट में हुआ। हादसे में एक महिला की आंख के पास कांच का टुकड़ा लगने से वह गंभीर रूप से घायल हो गई, जबकि एक अन्य युवक को भी चोटें आईं। दोनों को उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, धमाके के कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है। गैस रिसाव की आशंका समेत सभी संभावित पहलुओं की जांच की जा रही है। फॉरेंसिक विशेषज्ञ घटनास्थल से साक्ष्य जुटा रहे हैं। अधिकारियों का कहना है कि विस्तृत जांच के बाद ही विस्फोट की वास्तविक वजह स्पष्ट हो सकेगी। सभी संबंधित एजेंसियां मामले की जांच में जुटी हैं।

एसीबी छापे में तहसीलदार की करोड़ों की संपत्ति उजागर

यूनिक समय, नई दिल्ली। तेलंगाना एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) ने निलंबित शमीरपेट तहसीलदार एवं संयुक्त उप-पंजीयक थुम्माकोम्मा सुचरिता के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति के मामले में बड़ी कार्रवाई की है। एसीबी ने उनके आवास समेत चार ठिकानों पर छापेमारी कर करोड़ों रुपये की चल-अचल संपत्ति का खुलासा किया। तलाशी के दौरान अधिकारियों को करीब 12 लाख रुपये नकद, लगभग 1.20 करोड़ रुपये मूल्य के सोने और हीरे के आभूषण, 38 लाख रुपये का बैंक बैलेंस, दो कारें तथा कई अचल संपत्तियों के दस्तावेज मिले। जांच में सिद्दिपेट जिले में कृषि भूमि, हैदराबाद में तीन फ्लैट और दो प्लॉट होने की जानकारी भी सामने आई है।

एसीबी के अनुसार, अब तक बरामद संपत्तियों की कीमत 5.05 करोड़ रुपये से अधिक आंकी गई है। वहीं, बरामद कृषि भूमि की मौजूदा

बारह लाख नकद करोड़ों के गहने

आय से अधिक संपत्ति की जांच

बाजार कीमत लगभग 20 करोड़ रुपये तक हो सकती है। एजेंसी अन्य दस्तावेजों और संभावित बेनामी संपत्तियों की भी जांच कर रही है।

सुचरिता को इससे पहले रिश्वत मांगने के एक मामले में गिरफ्तार किया जा चुका है। वह वर्तमान में न्यायिक हिरासत में हैं। एसीबी का कहना है कि जांच पूरी होने के बाद मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

कर्णप्रयाग विवाद पर बॉर्डर में बढ़ा तनाव, सुरक्षा कड़ी

यूनिक समय, नई दिल्ली। उत्तराखंड के कर्णप्रयाग-नगरासू गुरुद्वारा विवाद के बाद हिमाचल-उत्तराखंड सीमा पर तनाव बढ़ गया। हिमाचल से पहुंचे निहंग सिखों के एक जत्थे ने विकासनगर के कुल्हाल बॉर्डर पर पुलिस की बैरिकेडिंग पार करने का प्रयास किया, जिससे सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हो गईं। घटना के बाद पुलिस, आईटीबीपी और प्रशासन ने सीमावर्ती क्षेत्रों में अतिरिक्त सुरक्षा बल तैनात कर दिए हैं। आने-जाने वाले वाहनों की

निहंगों ने तोड़ी पुलिस की बैरिकेडिंग

सीमा पर बढ़ाई गई सुरक्षा व्यवस्था

सघन जांच की जा रही है। प्रशासन के अनुसार, हालात पर लगातार नजर रखी जा रही है और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए आवश्यक कदम उठाए गए हैं।

नए आईबी प्रमुख बने महेश दीक्षित

यूनिक समय, नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी महेश दीक्षित को देश की प्रमुख खुफिया एजेंसी इंटेलिजेंस ब्यूरो (आईबी) का नया निदेशक नियुक्त किया है। प्रधानमंत्री की अध्यक्षता वाली मंत्रिमंडलीय नियुक्ति समिति (एसीसी) ने उनकी नियुक्ति को मंजूरी दे दी है। वह निवर्तमान आईबी प्रमुख तपन कुमार डेका का स्थान लेंगे।

आंध्र प्रदेश कैडर के 1993 बैच के आईपीएस अधिकारी महेश दीक्षित वर्तमान में आईबी में स्पेशल डायरेक्टर के पद पर कार्यरत हैं। उन्हें पदभार ग्रहण करने की तिथि से दो वर्ष के कार्यकाल के लिए नियुक्त किया गया है।

दो वर्षों का मिला कार्यकाल, आंतरिक सुरक्षा का लंबा अनुभव

महेश दीक्षित को आंतरिक सुरक्षा और खुफिया अभियानों का व्यापक अनुभव है। उन्होंने जम्मू-कश्मीर में लंबे समय तक महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां संभालीं और अनुच्छेद 370 हटाए जाने के बाद सुरक्षा व्यवस्था एवं खुफिया समन्वय में अहम भूमिका निभाई। इसके अलावा, आतंकवाद विरोधी अभियानों और वामपंथी उग्रवाद से जुड़े मामलों में भी उन्होंने महत्वपूर्ण योगदान दिया है। सरकार को उम्मीद है कि उनके अनुभव से देश की आंतरिक सुरक्षा व्यवस्था और अधिक मजबूत होगी।

मुहर्रम जुलूस में करंट लगने से तीन लोगों की मौत

यूनिक समय, नई दिल्ली। मध्य प्रदेश के रतलाम जिले में मुहर्रम जुलूस के दौरान बड़ा हादसा हो गया। पिपलौदा थाना क्षेत्र के हतनारा गांव में ताजिया 11 केवी हाईटेंशन बिजली लाइन से टकरा गया, जिससे करंट फैलने से तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि 20 से अधिक लोग झुलस गए।

जानकारी के अनुसार, लगभग 10 फीट ऊंचा ताजिया जुलूस के दौरान पंचमुखी महादेव मंदिर के

हाईटेंशन लाइन से टकराया ताजिया बीस से अधिक लोग झुलसे

पास से गुजर रहा था। इसी दौरान उसका ऊपरी हिस्सा बिजली की हाईटेंशन लाइन के संपर्क में आ गया। देखते ही देखते पूरे ताजिए में करंट दौड़ गया और उसे कंधे पर उठाए चल रहे लोग इसकी चपेट में आ गए। जुलूस में करीब 200 लोग शामिल थे। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों और प्रशासन ने घायलों को तुरंत अस्पताल पहुंचाया। गंभीर रूप से झुलसे लोगों को रतलाम मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है। पुलिस, प्रशासन और बिजली विभाग के अधिकारी मौके पर पहुंचकर जांच में जुट गए हैं। अधिकारियों ने कहा कि हादसे के कारणों की विस्तृत जांच की जा रही है और घायलों के उपचार को प्राथमिकता दी जा रही है।

दिल्ली के 156 टोल नाकों पर आएगा नया हाईटेक सिस्टम

यूनिक समय, नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में टोल प्लाजा पर लगने वाली लंबी कतारों से जल्द राहत मिलने वाली है। दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) शहर के सभी 156 टोल नाकों पर मल्टी लेन फ्री फ्लो सिस्टम (एमएलएफएफएस) लागू करने की तैयारी कर रहा है। इस नई व्यवस्था के तहत वाहन बिना बैरियर पर रुके टोल पार कर सकेंगे और टोल शुल्क स्वतः कट जाएगा। नई तकनीक को फास्टैग और ऑटोमैटिक नंबर प्लेट रिकग्निशन (एएनपीआर) सिस्टम से जोड़ा जाएगा। टोल से गुजरते ही कैमरे वाहन की नंबर प्लेट पहचानेंगे और फास्टैग के माध्यम से शुल्क अपने आप

कट जाएगा। इससे ट्रैफिक जाम कम होने के साथ यात्रियों का समय भी बचेगा। एमसीडी ने इस व्यवस्था को लागू करने के लिए अधिनियम में संशोधन का प्रस्ताव तैयार किया है, जिसे मंजूरी मिल चुकी है। अधिकारियों के अनुसार यह कदम सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों के अनुरूप उठाया गया है। नई व्यवस्था में नियमों का उल्लंघन करने वालों पर सख्त कार्रवाई का प्रावधान भी रखा गया है। यदि कोई वाहन चालक खराब या पढ़ने योग्य नहीं होने वाली

बिना रुके कटेगा टोल समय बचेगा

नियम तोड़ने पर लगेगा भारी जुर्माना

नंबर प्लेट का इस्तेमाल करता है या टोल कर्मचारियों से दुर्व्यवहार करता है, तो उससे प्रति प्रवेश टोल शुल्क का पांच गुना तक जुर्माना वसूला जा सकेगा। वहीं, नए नियमों के तहत व्यावसायिक वाहनों के टोल शुल्क में समय-समय पर संशोधन का भी प्रावधान किया गया है।

अंतरजातीय शादी का इतना बड़ा खामियाजा पिता की अंतिम यात्रा अकेली रही

यूनिक समय, नई दिल्ली। ओडिशा के बरगढ़ जिले से मानवता को शर्मसार करने वाली घटना सामने आई है। पाईकमल ब्लॉक के कंटापड़ा गांव में एक बेटे को अपने पिता के शव को साइकिल पर बांधकर श्मशान घाट तक ले जाना पड़ा। आरोप है कि बेटों के अंतरजातीय विवाह के कारण परिवार का सामाजिक बहिष्कार किया गया था, जिससे अंतिम यात्रा में गांव का कोई व्यक्ति शामिल नहीं हुआ। परिजनों ने ग्रामीणों से मदद की अपील की, लेकिन किसी ने शव को कंधा देने तक से इनकार कर दिया। आर्थिक तंगी

और समय पर शव वाहन न मिलने के कारण बेटे ने मजबूरी में साइकिल का सहारा लिया। घटना का वीडियो सामने आने के बाद लोगों में आक्रोश है। इस घटना ने सामाजिक भेदभाव, रूढ़िवादी सोच और ग्रामीण क्षेत्रों में अंतिम संस्कार जैसी बुनियादी सुविधाओं की कमी पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

जाम बना लोगों के लिए सिरदर्द

शुक्रवार को हाइवे पर नरहौली चौराहा पर लगे जाम में फंसे वाहन।

हाइवे पर जाम, उमस ने निकाली जान

शहर के कई हिस्सों में भी लगा जाम

पहले निकलने के चक्कर में बिगड़ रहे हालात

यूनिक समय, मथुरा। रेलवे द्वारा चौथी और पांचवी लाइन के लिए किए जा रहे निर्माण कार्य के चलते नए बस अड्डे वाले रास्ते पर बड़े वाहनों फोर व्हीलर और थ्रीव्हीलरों पर लगाए गए प्रतिबंध के चलते शहर के भूतेश्वर, स्टेट बैक चौराहे और हाइवे पर नरहौली चौराहे पर जाम के हालात बने रहे।

शहर में ट्रैफिक डायर्वजन किए जाने के बाद स्टेट बैंक से बीएसए कालेज तक लगने वाले जाम से लोगों को फिलहाल निजात मिल गई है, लेकिन नए बस अड्डे पर रेलवे पुल पर होने वाले चार और पांच लाइन कार्य के चलते इस मार्ग से जाने वाले वाना ट्रैफिक दूसरे रास्तों से होकर गुजर रहा है। इसके चलते शहर के स्टेट बैंक चौराहे पर वाहनों का दबाव बढ़ने के कारण वहां काफी समय तक लोग जाम में फंस रहे हैं। इसी तरह भूतेश्वर तिराहे पर भी वाहनों के बढ़ते दबाव के जाम लग रहा है। आज हाइवे पर पड़ने वाले नरहौली चौराहे पर बढ़ी संख्या में वाहनों के चलते जाम लग गया। जाम में वाहनों की लंबी लाइने लग गई। ट्रैफिक को कंट्रोल करने वाले ट्रैफिक पुलिस के जवान भी तेज धूप और गर्मी में वाहनों को चलाने में परेशान होकर एक स्थान पर बैठ गए। काफी प्रयास के बाद ही वाहनों को आगे बढ़ा कर जाम को खुलवाया जा सका।

शहर में आज निकाला गया ताजियों का जुलूस

यूनिक समय, मथुरा। यौमे आशूरा पर गमगीन माहौल में शुक्रवार को दस मुहर्रम को ताजियां को जुलूस निकाला गया। ताजियों का जुलूस शहर के होली गेट से होकर शुरू होकर चौक बाजार होता हुआ करबला पहुंचा, जहां ताजियों को सपुर्दे खाक किया जाएगा।

मुहर्रम कमेटी के अध्यक्ष भूरा शेख और सचिव अबरार वारसी, उपाध्यक्ष जहीर अब्बास जैदी ने बताया कि सभी ताजियादोरों ने अपने-अपने ताजियों को भरतपुर गेट पर लाना शुरू कर दिया है। इसके बाद ताजियों का जुलूस आठ बजे से शुरू होगा। होली गेट पर सदर बाजार से आने वाले ताजियों का मिलान होने के बाद ताजिए होली गेट के अंदर प्रवेश करेंगे। ताजियों के साथ अखाड़े भी चलेगे। अखाड़ों में युवक अपने हैरत अंगेज करतब दिखाएंगे। चौक बाजार में ताजियों का मुकाबला होगा। इसके बाद देर रात ताजियों को कर्बला में ले जाकर सपुर्दे खाक किया जाएगा। जुलूस की सुरक्षा के लिए पुलिस प्रशासन पूरे रास्ते मौजूद रहेगा।

जयसिंहपुरा से आज दोपहर अलमों का जुलूस निकाला गया। जुलूस आज दोपहर दो बजे दिलशाद खान के नेतृत्व में निकाला गया। जुलूस ने क्षेत्र की विभिन्न कॉलोनियों में भ्रमण किया। जुलूस को देखने के लिए बढ़ी संख्या में महिलाए, पुरूष और बच्चे मौजूद रहे।

सुरीर में ताजियों का जुलूस तेली पाड़ा से प्रारंभ होकर स्टेट बैंक चौराहा, मुख्य मस्जिद, पैंठ बाजार, नया बाजार होते हुए भोजगढ़ी स्थित कर्बला पहुंचा। यहां ताजियों को धार्मिक रीति रिवाज के साथ सपुर्देखाक किया गया। ताजियों को देखने के लिए मार्ग में बढ़ी संख्या में भदनवारा, सुलतानपुर, परसोती गढ़ी, ओहावा, तेहरा और सिकदरपुर के बढ़ी संख्या में लोग ताजियों का जुलूस देखने के लिए जमा रहे। जुलूस के रास्तों पर मीठे शर्बत और लंगर की सबील लगाई गई। मुहर्रम कमेटी के सूफी अहमद, अहमद खान, आबेद वतन खान, जावेदखान,राशिद खान, अकबर खान, गोला खान, जलाल खान, मुन्ना खान चौकीदार,गनी खान, छोटू खान आदि मौजूथ रहे।

भरतपुर गेट से शुरू हुआ जुलूस, पुलिस ने की भारी सुरक्षा व्यवस्था

कस्बों में भी निकाले गए ताजियों के जुलसू

शेरगढ़ में भी मुहर्रम पर नादिर शाह बाबा की दरगाह पर शाह समाज द्वारा लंगर का आयोजन किया। सभी समाज के लोगों ने यहां बड़ी संख्या में भोज में शामिल हुए बच्चों और अन्य लोगों को खाना खिला कर भाई चारे का संदेश दिया। उमर और बदरुद्दीन ने बताया कि दस मुहर्रम आज के दिन नादिर शाह बाबा का उर्स मनाया जाता है। इस मौके पर निस्सो पठान, रमझू, अब्दुला, लियाकत, दीन मौहम्मद,उसमान, शकील, अमीर, अब्दुल गफ्फार, हबीब, शरीफ आदि लोग उपस्थित रहे।

फरह में भी योमे अशूरा पर गमगीन माहौल में ताजियों का जुलूस निकले गए। ताजियों का जुलूस बड़ी मस्जिद से शुरू होकर कस्बे की गलियों में भ्रमण करके हाइवे स्थित ईदगाह पर पहुंचा। जुलूस में चल रहे युवाओं ने अपने करतब दिखाए। इसके बाद ताजियों को ईदगाह स्थित कब्रिस्तान में सपुर्दे खाक किया गया।

सामूहिक एकादशी उद्यापन का हुआ आयोजन

एकादशी उद्यापन में मौजूद श्री महाराजा अग्रसेन सेवा समिति और सर्व वैश्य ब्राह्मण समाज बंधु।

यूनिक समय,मथुरा। श्री महाराजा अग्रसेन सेवा समिति, सर्व वैश्य ब्राह्मण समाज के तत्वावधान में दो दिवसीय सामूहिक एकादशी उद्यापन का आयोजन दो दिवसीय शुक्रवार को मसानी लिंक रोड पर एक स्थानीय होटल भव्यता के साथ हुआ।

शुभारंभ वृंदावन के हरिदास पीठाधीश्वर राधा प्रसाद देव जू और मोहिनी शरण ने किया। मुख्य संरक्षक जयंती प्रसाद अग्रवाल, संस्थापक विशन दयाल सर्राफ,कृष्ण मुरारी सर्राफ ने भगवान लक्ष्मी-नारायण और महाराजा अग्रसेन के चित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। अतिथि राधा प्रसाद देव जू ने एकादशी व्रत उद्यापन की कथा सुनाते हुए इसके आध्यात्मिक महत्व पर प्रकाश डाला। मोहिनी शरण ने एकादशी व्रत के धार्मिक और आध्यात्मिक लाभों की जानकारी दी। आचार्य शशांक पाठक ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच यजमानों से वेदी पूजन, एकादशी पूजन-अर्चन कराया। ब्राह्मण भोग और भंडारे का आयोजन किया। कार्यक्रम में संरक्षक सुनील अग्रवाल (स्वीटी), रामगोपाल अग्रवाल, अध्यक्ष सुभाष चंद्र सिक्का, शंकर लाल अग्रवाल, दुर्गेश बिंदल, अनिल अग्रवाल, केशव देव सर्राफ, राजीव मित्तल सोनू, बृज बिहारी, हर्षवर्धन एडवोकेट, अतुल अग्रवाल सहित समिति के पदाधिकारी और श्रद्धालु उपस्थित रहे।

सीए एसोसिएशन ने दिया गो सेवा और पर्यावरण संरक्षण का संदेश

बच्चों को स्टेशनरी बांटते हुए सीए एसोसिएशन के पदाधिकारी।

यूनिक समय, मथुरा। सीए डे एक्टिविटी-2026 के अंतर्गत मथुरा सीए एसोसिएशन द्वारा समाज सेवा, गो सेवा और पर्यावरण संरक्षण को समर्पित विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रमों के माध्यम से चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ने अपनी सामाजिक जिम्मेदारी का निर्वहन करते हुए सेवा, संवेदनशीलता और पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

कार्यक्रमों की शुरुआत सृजन संस्थान में आयोजित चैरिटी कार्यक्रम से हुई। वहीं कुष्ठ रोग से प्रभावित परिवारों के उन जरूरतमंद बच्चों की सहायता की गई, जो आर्थिक रूप से कमजोर हैं और पारिवारिक परिस्थितियों के कारण कठिन जीवन व्यतीत कर रहे हैं। बच्चों को स्टेशनरी, स्कूल ड्रेस, पलंग, गद्दे, फल और अन्य सामग्री भी बांटी गई। एक पेड़ मां के नाम अभियान के अंतर्गत पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित कर पौधों की देखभाल और संरक्षण का भी संकल्प लिया। श्रीकृष्ण गोशाला में गो सेवा और पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किए। कार्यकमों में ब्रांच चेयरमैन सीए लोकेश वार्ष्णेय, वाइस चेयरमैन सीए राहुल गर्ग और ट्रेजरर सीए प्रवीण अग्रवाल,सीए राजेश कुमार गुप्ता, सीए कुलदीप अरोड़ा, सीए धर्मेंद्र गोयल, सीए राहुल चौधरी, सीए आशुतोष गौतम, सीए पंकज गोयल, सीए गुलशन कुमार, सीए शिवम बंसल, सीए गौरव अग्रवाल, सीए कौशल किशोर अग्रवाल, सीए पीयूष बंसल, सीए पराग चतुर्वेदी, सीए तरुण गुप्ता, सीए चंद्रेश खंडेलवाल, उपेंद्र चतुर्वेदी, सौरभ अग्रवाल सहित आदि मौजूद रहे।

ठाकुर द्वारकाधीश मंदिर में 28 को होंगे ज्येष्ठाभिषेक के दिव्य दर्शन

यूनिक समय, मथुरा। पुष्टिमार्गीय संप्रदाय के प्रसिद्ध ठाकुर द्वारकाधीश मंदिर में 28 जून को भगवान श्री द्वारकाधीश का ज्येष्ठाभिषेक का आयोजन होगा। श्रद्धालुओं को प्रातःकाल ठाकुर जी के विशेष अभिषेक के दिव्य दर्शन करने का अवसर मिलेगा। मंदिर के विधि एवं मीडिया प्रभारी राकेश तिवारी एडवोकेट ने बताया कि मंगला दर्शन सुबह छह बजे से 6:15 बजे तक होंगे।

इसके बाद सुबह 6:30 बजे से ठाकुर जी का ज्येष्ठाभिषेक (जलाभिषेक) प्रारंभ होगा। इसके अतिरिक्त दिनभर के सभी अन्य दर्शन अपने निर्धारित समय पर ही होंगे। उन्होंने बताया कि 27 जून को संध्या आरती के बाद मंदिर के सभी मुखिया 'अपरस' (पवित्र अवस्था) में यमुना महारानी से जल लाकर मंदिर में एकत्रित करेंगे।

इसी पावन यमुना जल से 28 जून की सुबह भगवान श्री द्वारकाधीश का विधि-विधान से भव्य ज्येष्ठाभिषेक किया जाएगा।

ई रिक्शा ने कार में टक्कर मारी

यूनिक समय, वृंदावन। भरतिया हास्पीटल के सामने राग साइड आ रहे एक ई-रिक्शा ने कार में टक्कर मार दी। कार का अगला हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया। गौरतलब है कि ई रिक्शा के संचालकों की मनमानी से हर कोई परेशान है।

छुट्टियों में श्रद्धालुओं की भीड़ और बढ़ेगी

यूनिक समय, वृंदावन। तीन दिन की लगातार छुट्टियां होने से वृंदावन में श्रद्दालुओं के आवागमन में और वृद्धि देखी गई। अब शनिवार और रविवार को श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए पुलिस सतर्क हो गई है। जाम की समस्या को देखते हुए वाहनों को पार्किंग स्थलों पर खड़ा कराया जाएगा।

स्वच्छता महाअभियान जारी, जुर्माना वसूला

स्वच्छता महाअभियान कराते सहायक नगर आयुक्त अनिल कुमार और अन्य अधिकारी।

छह किलो प्रतिबंधित पॉलीथीन जब्त

अतिक्रमण हटाए स्वच्छता को किया जागरूक

यूनिक समय, मथुरा। जिला प्रशासन, नगर निगम, मथुरा-वृंदावन विकास प्राधिकरण और ब्रज तीर्थ विकास परिषद के संयुक्त तत्वावधान में चल रहे विशेष स्वच्छता महाअभियान हम सबने ठाना है, ब्रज को स्वच्छ बनाना है के अंतर्गत शहर के विभिन्न क्षेत्रों में व्यापक अभियान चलाया गया। नगर निगम के सेक्टर प्रभारियों ने प्रमुख बाजारों, सार्वजनिक स्थलों और मुख्य मार्गों पर सफाई अभियान चलाने के साथ अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई भी की। अभियान के दौरान अतिक्रमण के खिलाफ 3,000 रुपये, सार्वजनिक स्थानों पर गंदगी फैलाने पर 5,100 रुपये और प्रतिबंधित पॉलीथीन और प्लास्टिक के उपयोग, भंडारण पर 15,000 रुपये का जुर्माना लगाया गया।

इस दौरान छह किलोग्राम प्रतिबंधित पॉलीथीन भी जब्त की गई। नगर निगम की अधिकृत संस्था किंग ग्रुप ने भी शहर के विभिन्न इलाकों में सफाई अभियान चलाया। कई कूड़ा जमा होने वाले स्थानों को साफ कराया गया और खाली भूखंडों से कचरा हटवाकर क्षेत्र को स्वच्छ बनाया गया।

28 जून को होगा वृद्धाश्रम प्रथम तल का लोकार्पण

यूनिक समय, मथुरा। कोसीकलां के नंदगांव रोड स्थित गांव सुरवारी में निर्माणाधीन हरिदास शीतल छाया तपोभूमि वृद्धाश्रम के प्रथम तल का लोकार्पण 28 जून को भव्य समारोह के बीच किया जाएगा। ट्रस्ट की ओर से आयोजित वार्ता में बताया गया कि समारोह के मुख्य अतिथि प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री चौधरी लक्ष्मी नारायण होंगे। करीब तीन एकड़ क्षेत्र में विकसित हो रहा यह वृद्धाश्रम वरिष्ठ नागरिकों को आवास, चिकित्सा, देखभाल और आध्यात्मिक वातावरण उपलब्ध कराएगा। ट्रस्ट पदाधिकारियों ने बताया कि प्रथम तल का निर्माण कार्य पूरा हो चुका है और तैयारियां अंतिम चरण में हैं। समाजसेवी मनोज ढल ने इसे मानव सेवा की प्रेरणादायी पहल बताया। इस अवसर पर रोशन लाल सोखिया सहित ट्रस्ट के पदाधिकारी और क्षेत्र के अनेक गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।